मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

अंक : 157 | मंगलवार 9 सितंबर 2025 | 3 रुपए | पृष्ठ 4

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

पावर कट कर रोकी गई अरिजीत की परफॉर्मेंस

आशेला गांव में दहशत फैलाने वाला गिरफ्तार

सुमित कदम उर्फ लाला ने निकाली गई परेड

- विट्ठलवाड़ी पुलिस ने की कार्रवाई
- कई अपराधिक घटनाओं में शामिल
- आतंक को खत्म करने निकाली परेड

उल्हासनगर. सुमित कदम उर्फ लाला ने हाल ही में विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन की सीमा के आशेले गांव और पाड़ा क्षेत्र में कारों और दुकानों में तोड़फोड़ की थी। इस बार, उसने एक महिला सहित कई लोगों पर तलवार से हमला किया और उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस घटना ने क्षेत्र में बड़े पैमाने पर आतंक का माहौल फैला दिया था। इस गंभीर मुद्दे को विधायक सुलभा गायकवाड़ ने विधानसभा सत्र में सीधे उठाया था। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कोली और पुलिस निरीक्षक चंद्रहार गोडसे के मार्गदर्शन में पुलिस उप-निरीक्षक बी.आर. दराडे, पुलिस कांस्टेबल रामदास मिसाल, दिलीप चव्हाण, संतोष सांगले, गणेश राठौड़, चंद्रकांत गायकवाड़ और सागर मोरे की एक टीम ने शनिवार को एक संयुक्त अभियान चलाया और सुमित उर्फ लाला कदम को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तारी के बाद, पुलिस ने उसका 'नकाब' निकाला और रविवार को उसे नागरिकों के सामने पेश किया। इस ऑपरेशन का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में उसके आतंक को खत्म करना और नागरिकों का पुलिस पर विश्वास मजबूत करना था। इस अनोखे ऑपरेशन की इस समय पूरे क्षेत्र में चर्चा हो रही है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि यदि भविष्य में किसी ने भी दहशत फैलाने, तोड़फोड़ करने या नागरिकों को धमकाने की कोशिश की तो उसके खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शहर में कोई विपक्षी दल नहीं बचेगा -शिंदे

उल्हासनगर में बदलेंगे राजनीतिक समीकरण

विपक्षी दल कांग्रेस, राकांपा, शिवसेना उबाठा, मनसे की भूमिका का इंतजार

- राकांपा अजित पवार गुट पर सबकी नजर
- भाजपा व आरपीआय का हो सकता है गठबंधन
- क्या भाजपा-शिवसेना साथ चुनाव लड़ेंगे?

उल्हासनगर. उल्हासनगर में आगामी महानगर पालिका चुनावों की पृष्ठभूमि पर कल्याण लोकसभा से चुने गए सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने एक ऐसा बयान देकर सभी को चौंका दिया है। एक तरफ शिवसेना सहयोगी पार्टी भाजपा को दरकिनार कर उनके विरोधी पार्टी टीम ओमी कालानी के साथ चुनावी गठबंधन कर रही है तो दूसरी तरफ सांसद शिंदे यह कह रहे हैं कि उल्हासनगर में अब कोई विपक्षी दल नहीं बचेगा। इससे यह स्पष्ट संकेत नहीं मिल रहे हैं कि शिवसेना व भाजपा के बीच युति होगी या नहीं और अगर नहीं होगी तो क्या चुनाव बाद होगी। यह अपने आप में ही सवालिया निशान है। क्या उन्होंने भाजपा को भी विपक्ष में गिना है क्योंकि मनपा चुनावी रणनीति के दौरान भाजपा के कोई भी पदाधिकारी मौजूद नहीं थे।

- शिवसेना के हाथ में कालानी का भविष्य

ज्ञात हो कि जेल से छूटने के बाद पप्पू कालानी जो इन दिनों राजनीति से संन्यास लिए हुए हैं और उनके पुत्र ओमी कालानी राजनीति की कमान संभाले हुए हैं। कालानी ने अब तक शिवसेना को छोड़ सभी पक्ष का इस्तेमाल किया हुआ है ऐसे में शिवसेना में प्रवेश न करते हुए उन्होंने दोस्ती के गठबंधन के आधार पर चुनाव मैदान में उतरने की तैयारी की है। कालानी को शिवसेना के साथ गठबंधन करने की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि उनके पास अब और कोई पर्याय शेष नहीं है।

कालानी ने अब तक निर्दलीय, यूपीपी, कांग्रेस, आरपीआय, राकांपा, भाजपा जैसे सभी पक्षों को इस्तेमाल करने के बाद अब अपना वर्चस्व बनाए रखने के लिए शिवसेना का दामन थामा है। अब शिवसेना के हाथ में कालानी का भविष्य टिका हुआ है। शिवसेना सिंधी मतदाताओं क्षेत्र में मौजूद नहीं है इसलिए उन्होंने भाजपा की जगह टीओके को अपना सहयोगी बनाया है। यह भाजपा के लिए एक बहुत बड़ा झटका है। उल्हासनगर-5 में भाजपा के दो नगरसेवक किशोर वनवारी व मीना सोंडे भी शिवसेना शिंदे गुट से चुनाव लड़ने का मूड बना रहे हैं। वहीं विपक्षी दल कांग्रेस, राकांपा शरद पवार, शिवसेना उबाठा, मनसे की भूमिका का इंतजार लोगों को है और साथ ही राकांपा अजित पवार गुट के प्रमुख भारत गंगोत्री की भूमिका पर भी सबकी नजर है। भाजपा व आरपीआय का इस चुनाव में गठबंधन होने की संभावना है और साईं पक्ष ने शिवसेना के साथ जाने का फैसला भी कर ही लिया है।

शहर की खस्ता हालत का जिम्मेदार कौन?

उल्हासनगर शहर की वर्तमान खस्ता हालत को देखते हुए शहरवासी इसे मौजूदा जनप्रतिनिधि सांसद व विधायक को ही इसका जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। मतदाताओं को अब चुनाव पर से भरोसा उठ गया है। शहर की मूलभूत सुविधा देने में यह जनप्रतिनिधि पूरी तरह असफल साबित हो रहे हैं। शहरवासियों का कहना है कि सबसे पहले शहर की खस्ता हालत को सुधारे फिर जश्न मनाते हुए चुनावी गठबंधन की घोषणा करें। अगर यह बैठक चुनाव पर न होकर शहर विकास के लिए हो तो शहर की खस्ता हालत में कुछ सुधार आए। उल्हासनगर शहर में सबसे ज्यादा सत्ता का सुख शिवसेना, भाजपा व कालानी परिवार ने लिया है। कोई भी शहर की हालतों को सुधारने में सफल नहीं हो पाया है। दिनों दिन शहर की हालत और बिगड़ रही है और इसे सुधारने के बजाय नेता उत्सव में व्यस्त हैं।

साईं पक्ष प्रमुख जीवन इदनानी से मिले सांसद श्रीकांत शिंदे

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा चुनाव और सत्ता निर्माण में हमेशा से ही अहम भूमिका निभाने वाले साईं पक्ष प्रमुख जीवन इदनानी से मिलने सांसद श्रीकांत शिंदे उनके कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने आगामी मनपा चुनाव की रणनीति पर चर्चा की।

दोनों की मुलाकात से ऐसा लग रहा है कि दोनों ने मनपा चुनाव में गठबंधन पर चर्चा की है। ज्ञात हो कि साईं पक्ष के पास आज भी पूर्व नगरसेवक मौजूद हैं जिन्होंने अपने वार्ड में कार्य किए हैं और अभी भी कर रहे हैं। इस बार के मनपा चुनाव में भी साईं पक्ष अपने उम्मीदवार उतारेगा जिसमें युवा उम्मीदवारों का समावेश है। इस बैठक में जीवन इदनानी के साथ पूर्व नगरसेविका इंदिरा उदासी, नवीन दुधानी, एड. हरेश इदनानी, एड. जनक इदनानी सहित साईं पक्ष के युवा पदाधिकारी, वकील व कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

अंबरनाथ में गड्ढों के कारण गाय की मौत

- एक रिक्शा का भारी नुकसान
- 2 यात्री घायल

⏭ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ में अलग-अलग घटनाओं में सड़कों में हुए गड्ढों के कारण एक गाय की मौत हो गई है तो दूसरी घटना में एक रिक्शा का भारी नुकसान होकर 2 यात्री घायल हो गये हैं।

शहर पश्चिम के जावसाई गांव में सड़क के किनारे महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण के पानी के दो वाल्व गड्ढों में भरे पानी में एक गाय के गिर जाने से वाल्व का नुकीला भाग गाय के पेट में घुस गया, जिसके कारण गाय की मौत हो गई है. यहां के निवासियों का कहना है कि गत कई दिनों से वाल्व के पास गड्ढा होने के बावजूद मजीप्रा ने गड्ढे को भरा नहीं है. वाल्व में से लीकेज हो रहा पानी इस गड्ढे में जमा हो रहा है. जिसके कारण गड्ढे की गहराई का पता नहीं चलता है. कई लोग इस

गड्ढे में पहले भी गिरकर घायल हुए हैं. मजीप्रा की लापरवाही के कारण गाय की मौत हुई है.

दूसरी घटना शहर पश्चिम के ही गांवदेवी से खुंटवली को जाने वाली सड़क पर हुई है. यहां पर सड़क के बीच में ड्रेनेज का ढक्कन है. इस ड्रैनेज के आसपास गहरा गड्ढा हो गया है. एक रिक्शा चालक को गड्ढे की गहराई का अंदाजा ना होने से रिक्शा गड्ढे में चला गया और उसके आगे का पहिया टूटकर रिक्शा दुर्घटनाग्रस्त हो गई. रिक्शा में बैठे दो मुसाफिरों को चोटें आई हैं. सड़क के आसपास के निवासियों ने बताया कि इस गड्ढे के कारण कई वाहन चालकों का नुकसान हुआ है. नपा प्रशासन को इस ओर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है.

स्टीयरिंग रॉड टूटने कल्याण-अलेफाटा बस दुर्घटनाग्रस्त

- 6 यात्री घायल

कल्याण. मुरबाड-सरलगाँव मार्ग पर स्थित एक गाँव में रविवार सुबह कल्याण बस डिपो की कल्याण अलेफाटा बस का स्टीयरिंग रॉड अचानक टूट गया। चालक का बस से नियंत्रण छूटते ही बस सड़क किनारे झाड़ियों से होते हुए एक पेड़ से टकरा गई। बस समतल ज़मीन पर होने के कारण हादसा टल गया। बताया जा रहा है कि इस हादसे में छह यात्री मामूली रूप से घायल हुए हैं। चालक को भी सावधानी बरतने के कारण मामूली चोटें आईं। वाहक को भी सिर में चोट आई है।

लगातार हो रहे ऐसे हादसों के चलते यात्री कल्याण बस डिपो स्थित वाहन मरम्मत कार्यशाला में बसों के रखरखाव और मरम्मत की उचित व्यवस्था की जाँच की माँग कर रहे हैं। यात्री इन हादसों के बाद परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक से एक दिन कल्याण बस डिपो का दौरा करने की माँग कर रहे हैं।

अंबरनाथ में गैस का रिसाव, कल्याण-कर्जत रोड पर धुएं का राज

अंबरनाथ. अंबरनाथ शहर में गैस के रिसाव की घटना सामने आई है। मोरीवली एमआईडीसी क्षेत्र से अचानक बड़ी मात्रा में धुआं और तेज गंध वाली गैस फैल गई, जिससे कल्याण-कर्जत राजमार्ग पर वाहन चालकों में भय का माहौल बन गया। इस गैस के कारण सड़क पर दृश्य कुछ समय के लिए अस्पष्ट हो गया, जबकि कई लोगों को सांस लेने में कठिनाई होने लगी। यह संदेह जताया जा रहा है कि गुरुवार शाम को मोरीवली एमआईडीसी में रासायनिक कंपनियों से यह गैस का रिसाव हुआ। नागरिकों का आरोप है कि कुछ कंपनी मालिकों ने जानबूझकर इस तरह से रासायनिक गैस छोड़ी होगी क्योंकि शुक्रवार को छुट्टी रहती है। पूर्व में हुई ऐसी घटनाओं के कारण नागरिक गुस्सा व्यक्त कर रहे हैं।

अंबरनाथ में विसर्जन के बाद दो गुटों में झड़प

अंबरनाथ. गणेश विसर्जन के दिन अंबरनाथ में पुराने विवाद को लेकर दो गुटों में झड़प हो गई। इसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और अंबरनाथ पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कृष्णा उर्फ अभिषेक राममूर्ति (उम्र 21) का दोस्त बाबू अशोक स्वामीनगर में गणेश प्रतिमा का विसर्जन देखकर घर लौट रहा था। उसी दौरान ओम शक्ति मंदिर के पास कृष्णा मायवन और बालाजी गौंडार ने उसे रोक लिया। शिकायतकर्ता के भाई द्वारा पिछले साल आरोपियों के खिलाफ दर्ज मामला वापस लेने से इनकार करने से नाराज होकर उन्होंने बाबू के साथ गाली-गलौज और मारपीट की। फिर उन्होंने लोहे की रॉड और हाथ में लिए लकड़ी के बांस से बाबू के सिर, कंधे और पैरों पर वार किया। इसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अंबरनाथ पुलिस ने इस मामले में कृष्णा और बालाजी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आगे की जांच पुलिस उपनिरीक्षक मनीष वाघमारे द्वारा की जा रही है।

प्रस्तावित मेट्रो स्टेशन का नाम 'श्री क्षेत्र प्राचीन शिव मंदिर' रखने की मांग

- पूर्व योजना समिति अध्यक्ष कुणाल भोईर ने की मांग

अंबरनाथ. शहर के परिवहन को नया आयाम देने वाली प्रस्तावित मेट्रो लाइन में अंबरनाथ के स्टेशनों के स्थान और नामकरण को लेकर चर्चा अब ज़ोर पकड़ रही है। इसी पृष्ठभूमि में, पूर्व योजना समिति अध्यक्ष कुणाल भोईर ने सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे से विशेष मांग की है। उन्होंने एक निवेदन में सुझाव दिया है कि शहर की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को उजागर करने के लिए महात्मा गांधी विद्यालय के पास प्रस्तावित स्टेशन का नाम 'श्री क्षेत्र प्राचीन शिव मंदिर मेट्रो स्टेशन' रखा जाना चाहिए। मेट्रो लाइन 5 के विस्तार में उल्हासनगर और अंबरनाथ शहरों को शामिल किया गया है।

हाल ही में, सांसद डॉ. शिंदे की उपस्थिति में आयोजित एक बैठक में अंबरनाथ के प्रस्तावित मेट्रो स्टेशनों पर चर्चा की गई। इस बैठक में कंसाई मंडल के निकट स्थित स्टेशन का नाम 'कंसाई गाँव मेट्रो स्टेशन' और महात्मा गांधी स्कूल के निकट स्थित स्टेशन का नाम 'श्री क्षेत्र प्राचीन शिव मंदिर मेट्रो स्टेशन' रखने का प्रस्ताव रखा गया। भोईर ने इस संबंध में एक निवेदन भी सौंपा।

शहर का अधिकांश हिस्सा मेट्रो के अंतर्गत

वर्तमान में, मेट्रो लाइन-5 (ठाणे-भिवंडी-कल्याण) को उल्हासनगर और अंबरनाथ से जोड़ा जाएगा। इनमें से एक लाइन बिरला कॉलेज होते हुए कल्याण वापस जाएगी। इसलिए, शहर का अधिकांश हिस्सा मेट्रो के अंतर्गत आ रहा है। इसके अलावा, इस मेट्रो लाइन को उल्हासनगर, कल्याण, बदलापुर राज्य राजमार्ग, अंबरनाथ शहर होते हुए सीधे चिखलोली तक ले जाने का निर्णय लिया गया है। बदलापुर और अंबरनाथ शहर के चिखलोली में एक रेलवे स्टेशन का निर्माण कार्य चल रहा है। यहाँ मेट्रो 14 और मेट्रो 5 को मिलाने पर सहमति बन गई है। इसलिए, चिखलोली में मेट्रो और रेलवे का एकीकरण किया जाएगा। मेट्रो लाइन 14 तलोजा-कटाई-नेवाली-आनंदनगर एमआईडीसी-टी सर्कल-बदलापुर तक जाएगी। इसका लेआउट अंतिम रूप दे दिया गया है। वहीं, मेट्रो लाइन 5 के विस्तार में, कल्याण-बदलापुर राजमार्ग के पास, जीएनपी प्लाजा क्षेत्र में, अंबरनाथ के लिए एक स्टेशन प्रस्तावित है। यदि लाइन 5 और लाइन 14 को मिला दिया जाता है, तो ठाणे और नवी मुंबई जाने वाले यात्रियों की यात्रा तेज़ और अधिक किफायती हो जाएगी।

अंबरनाथ में मोबाइल टॉवर में भीषण आग

अंबरनाथ. शहर के पूर्वी इलाके पालेगांव इलाके में लैंडस्केप हेरिटेज बिल्डिंग के सामने लगे एक मोबाइल टावर में सोमवार तड़के करीब 3 बजे भीषण आग लग गई। आग में पूरा टावर जलकर खाक हो गया, जिससे मोबाइल कंपनी को लाखों रुपये का नुकसान हुआ। आग लगने का सही कारण अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन आग इतनी भीषण थी कि इलाके में हड़कंप मच गया। आग लगते ही इलाके के एक सामाजिक कार्यकर्ता अजय पाटिल तुरंत मौके पर पहुँचे और दमकल विभाग से संपर्क कर मदद के लिए बुलाया।

कुछ ही मिनटों में दमकल कर्मी मौके पर पहुँच गए और स्थानीय नागरिकों की मदद से आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू कर दी। अथक प्रयासों के बाद कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया। गनीमत रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। स्थानीय नागरिकों की सतर्कता

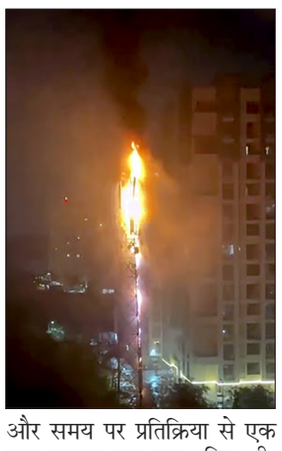

और समय पर प्रतिक्रिया से एक बड़ा हादसा टल गया। फिर भी, मोबाइल टावर जलने से संबंधित कंपनी को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। अग्निशमन विभाग और पुलिस फिलहाल आग लगने के सही कारणों की जांच कर रहे हैं। स्थानीय प्रशासन ने नागरिकों से सुरक्षा के लिए ऐसे उपकरणों के आसपास सावधानी बरतने की अपील की है।

कल्याण में आवारा कुत्तों का आतंक

4 महीनों में 8,789 नागरिक आवारा कुत्तों का बने शिकार

- मनपा क्षेत्र में करीब 95,000 आवारा कुत्ते

कल्याण. स्वास्थ्य विभाग ने बताया है कि कल्याण-डोंबिवली मनपा क्षेत्र में अप्रैल से जुलाई तक चार महीनों में 8,789 नागरिकों को आवारा कुत्तों ने काटा है। इन आवारा कुत्तों से निजात पाने के लिए नसबंदी की गति बढ़ाने की ज़रूरत है। हालाँकि, मनपा प्रशासन ने माना है कि कुत्तों के प्रजनन की दर नसबंदी की तुलना में तेज़ है। हालांकि सरकार के निर्देशानुसार कराई गई कुत्तों की गणना की आधिकारिक रिपोर्ट अभी तक नहीं मिली है, लेकिन गणना के बाद अनुमान लगाया गया है कि मनपा क्षेत्र में 95,000 आवारा कुत्ते हैं। आवारा कुत्तों की संख्या को नियंत्रित करने के लिए नगर निगम एक नसबंदी केंद्र चलाता है। इस केंद्र में हर महीने औसतन एक हज़ार से ग्यारह सौ कुत्तों की नसबंदी की जाती है। इसके लिए जीवरक्षा एनिमल वेलफेयर ट्रस्ट नामक एक संस्था को नियुक्त किया गया है और नगर निगम प्रत्येक कुत्ते की नसबंदी पर 989 रुपये खर्च करता है।

हालांकि, आवारा कुत्तों की संख्या कम होने के बजाय दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। कुत्तों के काटने की बढ़ती घटनाओं के कारण, निवासी भय में जी रहे हैं। नागरिकों को होने वाला दर्द इलाज के खर्च से कहीं अधिक भयानक है और अधिकांशतः छोटे बच्चे आवारा कुत्तों का निशाना बनते हैं। आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ गया है क्योंकि दिन हो या रात, एक ही समय में 8 से 10 आवारा कुत्ते अचानक पीछा करते हैं और काटते हैं। जबकि कुत्तों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, एक वर्ष में केवल 12 से 13 हजार कुत्तों की नसबंदी हो पाती है। इससे शहर के कर्मचारी उत्पादन और नियंत्रण के बीच असंतुलन से जूझ रहे हैं। इस बीच, नसबंदी की गति बढ़ाने के लिए केंद्रों की संख्या बढ़ाना आवश्यक है और यह मुद्दा मनपा के विचाराधीन है, ऐसा उपायुक्त प्रसाद बोरकर ने कहा।

प्रति वर्ष लाखों का हो रहा खर्च

पिछले चार महीनों के आंकड़ों पर नजर डालें तो कुत्तों के हमलों में लगभग 9000 नागरिक घायल हुए हैं। प्रशासन कुत्तों के काटने के इलाज के लिए हर साल 26 से 28 हजार रेबीज इंजेक्शन खरीदता है। प्रशासन प्रति वर्ष 100 करोड़ रुपये खर्च कर रहा है। इसके लिए 65 लाख रुपये खर्च करने पड़ते हैं। जबकि गंभीर रूप से घायल लोगों को रेबीज के साथ-साथ इम्यूनोग्लोबुलिन इंजेक्शन भी देना पड़ता है, जिसकी कीमत 50,000 रुपये से 1 लाख रुपये तक होती है।

होटल, ढाबे ज़िम्मेदार

विभिन्न स्थानों पर स्थित होटलों और ढाबों में बचा हुआ खाना सड़क किनारे फेंक दिया जाता है। नागरिकों की शिकायत है कि सड़क किनारे फेंका गया खाना और यह खाना आवारा कुत्तों के तेज़ी से पनपने के लिए उपजाऊ माहौल बनाता है, जिससे उनकी संख्या बढ़ती है।

अंबरनाथ में ईद-ए-मिलाद का शानदार जुलूस निकाला गया

- 1500वां ईद-ए-मिलाद जोरदार तरीके से मनाया गया

⏭ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ में ईद-ए-मिलादुन्नबी का 1500वां जश्न अकीदत एवं जोश के साथ मनाया गया. सोमवार शाम में मुस्लिम जमात अंबरनाथ की ओर से हजरत गैबनशाह वली दर्गा से एक शानदार जुलूस निकाला गया, जिसमें मुसलमान बड़ी संख्या में शामिल हुए. ये जुलूस शहर के विभिन्न रास्तों से होकर रात में दर्गा के पास ही समाप्त हुआ. जुलूस जनाब अब्दुल बाबा एवं शहर की मस्जिदों के इमाम की कयादत में निकाला गया. इससे पूर्व दर्गा पर मुख्य अतिथि अब्दुल बाबा, पप्पू कालानी, राकांपा शहर अध्यक्ष सदाशिव पाटिल, मनोज लासी एवं शहर के मान्यवरों को शॉल देकर सम्मान अध्यक्ष सलीम चौधरी, डॉ. जुबेर शाह, यूसुफ शेख, अनवर शेख, जलाल शेख, आरिफ काजी आदि ट्रस्टियों ने किया. इस अवसर पर मान्यवरों ने मार्गदर्शन करते हुए हिंदू मुस्लिम एकता पर जोर देते हुए मुसलमानों को ईद-ए-मिलाद की बधाई दी. शहर के हर एक रास्ते पर कई सामाजिक एवं मुस्लिम संगठनों द्वारा शामियाने में जुलूस में आए लोगों का स्वागत करते हुए पानी, शरबत, मिठाई, खीर आदि बांटे गए. रात में सदाशिव पाटिल की ओर से जुलूस में शामिल सभी लोगों के लिए लंगर का बंदोबस्त किया गया.

विदित हो कि ईद 5 सितंबर को थी, लेकिन 6 सितंबर को गणपति विसर्जन को देखते हुए जुलूस 8 सितंबर सोमवार को निकाला गया. जिसकी प्रशंसा शहर में एवं मान्यवरों ने की और कहा कि ये हिंदू मुस्लिम एकता का उदाहरण है. मेठल नगर में पूर्व नगरसेवक रवि करंजुले ने जुलूस में शामिल मुस्लिमों का स्वागत करते हुए उनमें मिठाई एवं खान-पान वितरित किया. वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शब्बीर सय्यद की निगरानी में पुलिस का पुख्ता बंदोबस्त रहा.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

अधिकारी क्यों नहीं होते सजग

बरसात के दिनों में सड़कों के किनारे बने नाले या बड़े गड्ढे अक्सर पानी से भर जाते हैं और उसके खतरे का अंदाजा नहीं होना स्वाभाविक है। विडंबना यह है कि ऐसे गड्ढे या नाले में गिर कर किसी की मौत की घटनाओं को आमतौर पर हादसा मान कर नजरअंदाज कर दिया जाता है और लापरवाही के जिम्मेदार लोग बच जाते हैं। मगर असम के गुवाहाटी में सामने आई एक घटना इस मामले में एक नजीर है। गौरतलब है कि गुवाहाटी में एक निर्माणाधीन उपरिगामी पुल स्थल पर कई नाले और मैनहोल को खुला छोड़ दिया गया था। उसी में एक नाले में गिर जाने की वजह से तीन वर्ष के एक बच्चे की मौत हो गई।

अगर इसे भी महज एक हादसा मान लिया जाता तो शायद इस पहलू पर किसी को सोचने की जरूरत नहीं महसूस होती कि वहां नाले को खुला छोड़ दिया गया था, तो यह वहां ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों या कर्मचारियों की लापरवाही थी, जिसने एक बच्चे के जान ले ली। मगर बच्चे के पिता ने कंपनी की लापरवाही की शिकायत की और उसके बाद आरोपी तीन अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया।

सवाल है कि किसी भी निर्माण स्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने के बुनियादी पहलू को लेकर वहां मौजूद अधिकारी सजग और संवेदनशील क्यों नहीं होते। खुला छोड़ दिए गए गड्ढे, नाले या मैनहोल में अगर धोखे से कोई व्यक्ति गिर जाता है और उसे कोई बड़ा शारीरिक नुकसान होता है, तो ऐसी घटना को हादसे के बजाय आपराधिक लापरवाही के तौर पर क्यों नहीं देखा जाए? सवाल है कि लोगों की आम आवाजाही वाली जगह पर अगर इस तरह की घोर अनदेखी की वजह से किसी की जान चली जाती, तो इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

सड़कों-रास्तों के आसपास मैनहोल, नाले या गड्ढे को ढकना और पूरी तरह जोखिमरहित बनाने का दायित्व किसका है? अगर कोई महकमा या उसके अधिकारी गड्ढे को ढके जाने को लेकर अपना काम ईमानदारी से पूरा करने के मामले में लापरवाही बरतते हैं और इसका नुकसान किसी व्यक्ति या परिवार को उठाना पड़ता है, तो इसकी पूरी जवाबदेही गड्ढे को खुला छोड़ने वाले लोग, कंपनी, संबंधित विभाग और अधिकारी पर होनी चाहिए।

शिक्षा में भी बढ़े स्वदेशी का भाव, क्रांतिकारी सुधार जरूरी

इन दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य वरिष्ठजन देशवासियों से स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का आग्रह कर रहे हैं। इसके लिए जीएसटी में सुधार और कुछ नीतियों में बदलाव किए गए हैं, ताकि भारतीय नागरिक अपने देश की वस्तुओं को प्राथमिकता दें, लेकिन इस 'स्वदेशी राग' में शिक्षा के क्षेत्र में स्वदेशी का महत्व, जैसे कि मेडिकल, इंजीनियरिंग या अन्य विषयों की पढ़ाई के लिए अपने देश के विश्वविद्यालयों को ही चुनने की बात कहीं नहीं उठाई जा रही है। यह सच है कि आजादी के बाद भी बच्चे विदेश पढ़ने जाते थे, लेकिन तब हमारे पास विश्वविद्यालयों की संख्या इतनी नहीं थी। वर्तमान में जब हमारे पास लगभग 1000 विश्वविद्यालय और हजारों निजी एवं सरकारी कालेज हैं, तब विदेश पढ़ने जाने के कारण क्या हैं?

इसका एक बड़ा कारण यह है कि आज अधिकांश राजनेता, नौकरशाह और विश्वविद्यालयों के प्राध्यापक, जो थोड़े बहुत अमीर हैं, उन्होंने अपने बच्चों को विदेश भेजने का आसान विकल्प चुन लिया है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले पांच वर्षों में विदेश में पढ़ने वाले छात्रों की संख्या दोगुनी से भी अधिक हो गई है। एक अनुमान के अनुसार, लगभग 15 लाख छात्र विदेश में पढ़ाई कर रहे हैं, जिनमें सबसे अधिक अमेरिका, कनाडा, आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में हैं। भारतीय छात्रों की विदेश में पढ़ाई की चाहत को देखते हुए यूरोप, सिंगापुर और अन्य देशों ने भी विभिन्न प्रलोभन नीतियां अपनाई हैं।

एक ओर देश में युवा मेडिकल की पढ़ाई के लिए भटक रहे हैं, दूसरी ओर लाखों गांव-कस्बे अच्छे डाक्टरों की तलाश में हैं। भारतीय छात्र लगभग 90 से अधिक देशों में डाक्टरी की पढ़ाई कर रहे हैं। इस बीच आइआइटी की संख्या बढ़कर 23 हो गई है, लेकिन सरकारी आंकड़े बताते हैं कि इनमें लगभग 50 प्रतिशत फैकल्टी की सीटें खाली हैं और शिक्षकों की कमी के कारण ये संस्थान अस्थायी शिक्षकों पर निर्भर हैं। इसके चलते शिक्षा, पाठ्यक्रम और शोध में गिरावट आई है, जिससे मेधावी छात्र विदेश जाने के लिए मजबूर हो रहे हैं।

छात्रों की बढ़ती संख्या को देखते हुए इन सभी देशों ने वीजा और विश्वविद्यालय की फीस भी लगभग दोगुनी कर दी है। प्रति विद्यार्थी एक से दो करोड़ रुपये से कम खर्च नहीं आता। क्या विदेश में पढ़ाई करना इतना आसान है? जिस देश की 80 प्रतिशत जनता को राशन के गेहूं-चावल पर गुजारा करना पड़ता हो, क्या उनके लिए विदेश जाना संभव है? हां, उन नौकरशाहों और उच्च पदों पर रहने वालों के लिए, जिनकी अच्छी खासी तनख्वाह होती है, यह संभव है। वे अपने बच्चों को विदेश में पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, जबकि देश के शिक्षा संस्थानों में सुधार की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाते।

हाल के समय में दिल्ली विश्वविद्यालय भी गिरावट की चपेट में आ गया है। इस केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए पिछले पांच वर्षों से कामन टेस्ट शुरू किया गया है, और नई शिक्षा नीति को भी लागू हुए पांच साल हो गए हैं, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं आ रहे हैं। यह आवश्यक है कि कोई उच्च स्तरीय समिति तुरंत इसका पुनरावलोकन करे। शिक्षकों की भर्ती के लिए भी यूपीएससी जैसा कोई भर्ती बोर्ड बनाया जाए। जहां छात्रों के दाखिले के लिए कई स्तर की परीक्षाएं होती हैं, वहीं शिक्षक-प्रोफेसर की भर्ती और पदोन्नति के लिए कोई ठोस प्रक्रिया नहीं है।

जब भी शिक्षकों और शिक्षा-शोध की बेहतरी के प्रयास किए जाते हैं, तो सबसे अधिक विरोध शिक्षकों की कुछ जमातें करती हैं, जो न तो कक्षाएं लेना चाहती हैं, न बच्चों की फीडबैक पर भरोसा करती हैं और न ही प्राचार्य के वार्षिक मूल्यांकन पर। इन्हीं सब कारणों से हमारे विश्वविद्यालय दुनिया की रैंकिंग में गिरते जा रहे हैं। पिछले वर्षों में इन्हीं चुनौतियों से जूझते-हारते बच्चे आत्महत्या की ओर बढ़ रहे हैं। आइआइटी, आइआइएम जैसे संस्थानों में आत्महत्या की घटनाएं दिल दहला देती हैं। मामला सुप्रीम कोर्ट में भी पहुंच गया है। इसके लिए एक समिति भी बनाई गई है, लेकिन क्या केवल समिति बनाने से समस्या का समाधान होगा? क्या सरकार ऐसी नीति नहीं बना सकती जिससे विश्व स्तर पर शिक्षा में हो रहे परिवर्तन भारत में भी लागू किए जा सकें?

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

नियमितता के साथ बैठने से हम ध्यानाभ्यास में अधिक माहिर होते जाएँगे।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

60 फीसदी से ज्यादा मंत्रियों पर आपराधिक मामले

एक आदर्श राजनेता वही होता है, जो ईमानदार, जिम्मेदार और जन-हितैषी हो। पारदर्शिता, निष्पक्षता और जनता के प्रति जवाबदेही उनके कार्य का हिस्सा हो। जो आमजन की समस्याओं और जरूरतों को भली-भांति समझे और उनका निराकरण करे। किसी भी जनप्रतिनिधि का यह मूल कर्त्तव्य है कि वह समाज में सौहार्द, शांति, सामंजस्य और सकारात्मक मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध रहे। मगर जब जनता का चुना हुआ नुमाइंदा खुद ही आपराधिक आरोपों के घेरे में आ जाए तो इन सब आदर्शों का क्या महत्त्व रह जाता है? इस तरह के मामले जब बड़ी संख्या में सामने आने लगे तो सियासत में शुचिता के स्तर का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।

चुनाव अधिकार संस्था एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) की एक हालिया अध्ययन रपट में खुलासा किया गया है कि देश के लगभग 47 फीसद मंत्रियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। यानी केंद्र और राज्य सरकारों के कुल मंत्रियों में से करीब आधे आपराधिक गतिविधियों में आरोपी हैं। यह आंकड़ा चौंकाने वाला और आम जनमानस को सचेत करने वाला है। सवाल है कि अगर जनप्रतिनिधियों की ही छवि इस तरह की है, तो हम किस तरह के समाज और राष्ट्र का निर्माण कर रहे हैं?

रपट के मुताबिक, जिन मंत्रियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं, उनमें हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। राष्ट्रीय स्तर पर चालीस फीसद केंद्रीय मंत्रियों ने खुद पर आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी अपने चुनावी हलफनामे में दी है।

आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, बिहार, ओड़ीशा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और पुदुचेरी में साठ फीसद से ज्यादा मंत्रियों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इससे साफ है कि राजनीति में आपराधिक छवि वाले नेताओं का दबदबा बेरोक-टोक बढ़ रहा है। मगर सबसे महत्त्वपूर्ण सवाल यह है कि दागदार नेताओं को संसद या विधानसभा में भेजने और सरकार का हिस्सा बनाने का मौका कौन दे रहा है?

सवाल यह भी है कि जनता को कैसे पता चलेगा कि किस नेता का आचरण कैसा है और उस पर आपराधिक मामला दर्ज है या नहीं? इसका जवाब चुनाव आयोग के उस कदम में समाहित है, जिसमें सभी राजनीतिक दलों को निर्देश दिया गया है कि वे चुनाव में अपने उम्मीदवार घोषित करने के दौरान उन पर दर्ज आपराधिक मामलों की जानकारी भी सार्वजनिक करें। अगर कोई दल इन निर्देशों का पूरी तरह पालन नहीं करता है, तो चुनाव आयोग को निश्चित रूप से उस पर कड़ा संज्ञान लेना चाहिए।

यह रपट ऐसे समय पर आई है, जब हाल ही में केंद्र सरकार ने संसद में संविधान संशोधन विधेयक पेश किया है, जिसमें गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तारी के बाद तीस दिन तक हिरासत में रहने पर प्रधानमंत्री सहित मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने का प्रावधान है। अगर इस विधेयक को रपट के आंकड़ों की नजर से देखा जाए तो केंद्र सरकार की ओर से यह अहम पहल है। मगर इस पहलू पर गौर करना भी जरूरी है कि नीति और नीयत दोनों साफ-सुथरी, निष्पक्ष और पारदर्शी होनी चाहिए, तभी व्यवस्था में सुधार की उम्मीद की जा सकती है। कानून बनाने के साथ-साथ उसे प्रभावी तरीके से लागू करना भी जरूरी है, ताकि समस्याओं को जड़ से उखाड़ा जा सके।

जहरीले पानी में समा गया पूरा गांव

जरा हट के

दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं, जिनकी कहानियां सुनकर दिल दहल जाता है. रोमानिया के अपुसेनी पहाड़ों में बसा गेमाना गांव की ऐसी ही एक भयानक और दुखद कहानी है, जिसे आज भी एक 'श्रापित गांव' के रूप में जाना जाता है. श्रापित यानी ऐसा गांव, जिससे उसके अपने ही लोग दूर हो गए. बता दें कि इस गांव को एक जहरीली झील में डुबो दिया गया था. लेकिन लगभग 50 साल बाद भी उस गांव की आखिरी निशानी उस जहरीली झील में नजर आती है, जिसे देखकर रोंगटे खड़े हो जाएं.

बता दें कि 1977 में रोमानिया के कम्युनिस्ट तानाशाह निकोलई सेउसेस्कु ने एक बड़े तांबे के भंडार का खनन करने का फैसला किया. इस खनन से निकलने वाले जहरीले कचरे को इकट्ठा करने के लिए एक कृत्रिम झील बनाने की जरूरत थी. इस काम के लिए गेमाना गांव को चुना गया. गेमाना और उसके

आसपास के गांवों में रहने वाले लोगों के लिए यह फैसला एक अभिशाप साबित हुआ. सरकार ने गांव वालों को अपनी जमीन और घर छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया. गेमाना गांव के लगभग 400 परिवारों को उनके घरों से बेदखल कर दिया गया. उनकी जीवन भर की मेहनत, उनके सपने और उनकी यादें- सब कुछ एक जहरीले पानी के नीचे दफन होने लगा.

जैसे-जैसे तांबे की खदान से निकलने वाला कचरा, जिसमें साइनाइड और अन्य खतरनाक रसायन मिले थे, झील में डाला गया, झील का पानी ऊपर उठता गया और पूरा गांव धीरे-धीरे उसमें समाता चला गया. एक समय जो गांव बहुत सुंदर था, आज वह एक गंदी, ज़हरीली झील बन चुका है. झील का पानी आज भी जहरीला है और इसका रंग भी खतरनाक रूप से बदल चुका है. जैसे-जैसे यह झील बढ़ती गई, गांव की हर चीज डूबती गई. आज अगर आप उस जगह पर जाएंगे, तो आपको सिर्फ एक आखिरी निशानी ही दिखाई देगी, जो चर्च की मीनार है. यह आज भी झील के पानी के ऊपर से झांक रही है. यह निशानी उस गांव की दर्दनाक यादें हैं, जो कभी वहां बसा हुआ था. गेमाना की कहानी हमें बताती है कि कैसे कुछ लोगों के लालच और गलत फैसलों की वजह से एक पूरा गांव हमेशा के लिए मिटा दिया गया.

खाना-खजाना

दाल मखनी

सामग्री :

- काली उरद दाल (साबुत)- 1/2 कप
- राजमा- 2 बड़े चम्मच
- 2 बड़े प्याज
- 3 टमाटर
- हरा धनिया
- अदरक-लहसुन का पेस्ट- 1 बड़ा चम्मच
- हरी मिर्च - 2
- जीरा- 1 छोटा चम्मच
- गरम मसाला- 1 छोटा चम्मच
- धनिया पाउडर- 1 छोटा चम्मच
- कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच
- हल्दी पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
- नमक स्वादानुसार
- मलाई और घी- 1/4 कप
- मक्खन- 2-3 बड़े चम्मच
- घी- 1 बड़ा चम्मच
- तेल- 1 बड़ा चम्मच

विधि :

सबसे पहले काली उरद दाल और राजमा को अलग-अलग 6-8 घंटे के लिए भिगो दें। भीगी हुई दाल

और राजमा को प्रेशर कुकर में डालें, उसमें लगभग 3-4 कप पानी, नमक और हल्दी डालकर 6-7 सीटी आने तक पकाएं। अब एक कड़ाही में तेल और एक बड़ा चम्मच मक्खन गर्म करें। उसमें जीरा डालें। फिर बारीक कटा प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। अब इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट और हरी मिर्च डालकर 2 मिनट तक भूनें। फिर धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर डालें और तेल अलग होने तक भून लें।

अब इसमें टमाटर की प्यूरी डाल दें। मध्यम आंच पर तब तक पकाएं जब तक कि मसाले से तेल अलग न दिखने लगे और यह गाढ़ा न हो जाए। तैयार मसाले में उबली हुई दाल और राजमा डाल दें। अच्छी तरह मिलाएं। अगर जरूरत हो तो थोड़ा पानी मिलाकर इसे अपनी पसंद का गाढ़ापन दें। इसे कम से कम 20-25 मिनट तक धीमी आंच पर उबलने दें। बीच-बीच में चलाते रहें। जब दाल अच्छी तरह पक जाए, तो उसमें ताजी मलाई, बचा हुआ मक्खन, गरम मसाला और हरा धनिया डालकर अच्छी तरह मिलाएं। एक बार उबाल आने दें और गैस बंद कर दें।

जितिया : संतान की सुरक्षा के लिए रखें निर्जला व्रत

जानें तारीख, मुहूर्त, पारण, जीवित्पुत्रिका का महत्व

जितिया व्रत को जीवित्पुत्रिका व्रत या जिउतिया भी कहा जाता है. हिंदू कैलेंडर के अनुसार, हर साल आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को जितिया व्रत रखा जाता है. इस दिन माताएं अपनी संतान की लंबी आयु, उत्तम स्वास्थ्य, सुरक्षित और सुखी जीवन के लिए निर्जला व्रत रखती हैं. जितिया व्रत में गंधर्व राजा जीमूतवाहन की पूजा की जाती है, जिन्होंने पक्षीराज गरुड़ से एक नाग वंश की महिला के पुत्र के प्राणों की रक्षा की थी. तिरुपति के ज्योतिषाचार्य डॉ कृष्ण कुमार भार्गव से जानते हैं कि जितिया कब है?

पंचांग के अनुसार, जितिया के लिए आवश्यक आश्विन कृष्ण अष्टमी तिथि 14 सितंबर रविवार को सुबह 5 बजकर 4 मिनट से शुरू हो रही है. यह तिथि अगले दिन 15 सितंबर सोमवार को तड़के 3 बजकर 6 मिनट पर खत्म हो जाएगी. ऐसे में उदया तिथि के आधार पर जितिया 14 सितंबर रविवार को है.

जितिया पर बनेगा रवि योग

- इस साल जितिया पर रवि योग बन रहा है. उस दिन रवि योग सुबह में 06:05 ए एम से सुबह 08:41 ए एम तक रहेगा. रवि योग में सूर्य का प्रभाव अधिक होने से सभी प्रकार के दोष मिट जाते हैं.
- व्रत वाले दिन प्रात:काल में वज्र योग बनेगा, जो सुबह 07:35 ए एम तक रहेगा. उसके बाद से सिद्धि योग बनेगा. यह 15 सितंबर को तड़के 04:55 ए एम तक रहेगा. उसके बाद व्यतीपात योग होगा. जितिया पर रोहिणी नक्षत्र प्रात:काल से लेकर सुबह 08:41 ए एम तक है, उसके बाद से मृगशिरा नक्षत्र है.

जितिया शुभ मुहूर्त

- जितिया का व्रत के दिन ब्रह्म मुहूर्त 04:33 ए एम से 05:19 ए एम तक है. इस समय में स्नान आदि से निवृत होकर साफ वस्त्र पहनें. उस दिन सूर्योदय 06:05 ए एम पर होगा. सूर्योदय से पूर्व फल, जूस, पानी, चाय आदि ग्रहण कर लें क्योंकि उसके बाद से निर्जला व्रत प्रारंभ हो जाएगा, जो अगले दिन सूर्योदय तक जारी रहेगा.
- जितिया के दिन का अभिजीत मुहूर्त 11:52 ए एम से दोपहर 12:41 पी एम तक है. इस शुभ समय में आप शुभ कार्य कर सकते हैं. सुबह और प्रदोष काल में जितिया की पूजा की जाती है. प्रदोष काल सूर्यास्त के बाद यानि 06:27 पी एम के बाद शुरू होगा.
- जितिया को राहुकाल शाम में 04:55 पी एम से 06:27 पी एम तक है. राहुकाल में कोई भी शुभ कार्य न करें. यह समय अशुभ फलदायी होता है.

व्रत पारण का समय

जो माताएं 14 सितंबर को जितिया का निर्जला व्रत रखेंगी, वो व्रत का पारण 15 सितंबर सोमवार को सूर्योदय के बाद करेंगी. उस दिन सूर्योदय 06:06 ए एम पर होगा. ऐसे में जितिया व्रत के पारण का समय सुबह 6 बजकर 6 मिनट से है.

आज का राशिफल

मेष : उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। स्वाभिमान बढ़ेगा। पुराने मित्र-संबंधी मिलेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। कार्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा। विवादों से दूर रहना चाहिए। आर्थिक तंगी रहेगी। पिछले कार्यों को टालें। पारिवारिक तनाव से मन परेशान रहेगा।

वृषभ : बुरी खबर मिल सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आपके व्यवहार एवं कार्यकुशलता से अधिकारी वर्ग से लाभ होगा। आपसी विचार-विमर्श लाभप्रद रहेगा। जल्दबाजी से कार्य करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाएँ।

मिथुन : मेहनत का फल मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। यात्रा सफल रहेगी। धनलाभ होगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। वाहन सुख मिलेगा। संपत्ति के लेन-देन में सावधानी बरतें। परिवार में सहयोग का वातावरण रहेगा। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। संतान पर ध्यान दें।

कर्क : विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। थकान रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। पराक्रम बढ़ेगा। जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं। कामकाज में आशानुरूप स्थिति बनेगी। संतान के व्यवहार पर नजर रखें।

सिंह : राजकीय सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ होगा। जोखिम बिलकुल न लें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। व्यापार व नौकरी में हितकारकों की पूर्ण कृपा रहेगी। गृह उपयोगी वस्तुएँ क्रय करेंगे। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें। फिजूलखर्ची रोकने पर ध्यान देंगे।

कन्या : फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। कुसंगति से बचें। दूसरों पर भरोसा न करें। धैर्य रखें। पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा। रुका पैसा मिलेगा। शत्रु आपकी छवि को धूमिल करने का प्रयास करेंगे। अत: सावधान रहें। व्यापार में सफलता मिलेगी।

तुला : रुका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। विवाद न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। पूँजी निवेश बढ़ेगा। साहित्यिक रुचि बढ़ेगी। आर्थिक योग शुभ हैं। यात्रा से व्यापारिक लाभ हो सकता है। सुसंगति से लाभ होगा।

वृश्चिक : योजना फलीभूत होगी। नए अनुबंध होंगे। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। जल्दबाजी व भागदौड़ से काम करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाएँ। अच्छे मित्र से भेंट होगी। पराक्रम की वृद्धि होगी। समाज-परिवार में आदर मिलेगा।

धनु : धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। वरिष्ठजनों का सहयोग मिलेगा। कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे। कार्यसिद्धि होगी। आय-व्यय में संतुलन रहेगा। क्रोध पर संयम आवश्यक है। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। धर्म में रुचि बढ़ेगी। नई योजना से लाभ होगा।

मकर : वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यापार के विस्तार हेतु किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान की ओर से अच्छे समाचार मिलेंगे। दूसरों के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करें। परिवार की चिंता रहेगी।

कुंभ : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रुभय रहेगा। लाभ होगा। पिछले कार्यों को टालना चाहिए क्योंकि उसमें असफलता का योग है। अनावश्यक विवाद होगा। व्यावसायिक योजनाएँ क्रियान्वित नहीं हो पाएँगी।

मीन : संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। खर्चों में वृद्धि से चिंता होगी। संतान के रोजगार की समस्या का समाधान संभव है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। कशमकश दूर होगी। स्वजनों से भेंट होगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

बालकनी में उगाएं हरी मिर्च

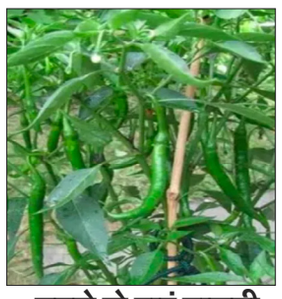

गमले से पाएं ताजगी और स्वाद का अनोखा संगम

हरी मिर्च रोजाना ताजी तोड़कर इस्तेमाल करना अब मुश्किल नहीं. आप चाहें तो घर पर ही गमले में आसानी से हरी मिर्च उगा सकते हैं. इसके लिए बस सही गमला, उपजाऊ मिट्टी, थोड़ी धूप और समय-समय पर खाद की जरूरत होती है. कुछ ही हफ्तों में आपका गमला हरी-भरी मिर्चों से भर जाएगा.

अगर आप चाहें तो घर पर ही गमले में आसानी से हरी मिर्च उगा सकते हैं और रोज ताजा मिर्च तोड़कर इस्तेमाल कर सकते हैं. आइए जानते हैं इसका सबसे आसान तरीका—

- हरी मिर्च के लिए 10–12 इंच गहरा और चौड़ा गमला सबसे अच्छा रहता है. ध्यान रहे कि गमले के नीचे पानी निकलने की व्यवस्था जरूर हो, ताकि पौधे की जड़ों में पानी न जमे.
- गमले में हरी मिर्च का पौधा लगाने के लिए हल्की और भुरभुरी मिट्टी फायदेमंद रहती है. इसके लिए आप बगीचे की मिट्टी में गोबर की खाद और थोड़ी रेत मिलाकर गमले को भर सकते हैं. खाद डालने से मिट्टी उपजाऊ होती है और पौधा जल्दी बढ़ता है.
- आप चाहे तो बाजार से हरी मिर्च के बीज खरीद सकते हैं या फिर घर की मिर्च से बीज निकालकर भी बो सकते हैं. बीजों को पहले 24 घंटे पानी में भिगो दें और फिर मिट्टी में आधा-एक इंच गहरा दबा दें. लगभग 7–10 दिन में छोटे-छोटे पौधे निकलने लगेंगे.
- हरी मिर्च को अधिक पानी की जरूरत नहीं होती. गमले की मिट्टी जब ऊपर से सूखी दिखे तभी हल्का पानी दें. ध्यान रखें कि पानी ज़्यादा न भर जाए, वरना जड़ें सड़ सकती हैं. पौधे को रोजाना 4–5 घंटे धूप जरूर मिले, तभी इसमें अच्छे फूल और मिर्च लगेंगी.
- हर 15–20 दिन में गोबर की खाद या घर का जैविक कचरा जैसे सब्ज़ियों के छिलके की खाद डालते रहें.

क्यों है श्राद्ध और तर्पण करना जरूरी?

7 सितंबर से पितृ पक्ष शुरू हो गया है। पितृ पक्ष 21 सितंबर तक रहेगा। पितृ पक्ष में अपने पूर्वजों को याद करना चाहिए। इस पक्ष में पितरों के निमित्त श्राद्ध और तर्पण जरूरी होता है। यदि पितृ गण खुश हों तो परिवार में सुख-समृद्धि का वास होता है। श्राद्ध-तर्पण करने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है। शास्त्रों के अनुसार तीन पीढ़ी तक श्राद्ध करने का विधान है। पिता को वसु देवता, दादा को रुद्र देवता और परदादा को आदित्य देवता के रूप में पूजने की परंपरा है। किसी भी परिवार में पिता, दादा व परदादा तक का श्राद्ध करना चाहिए। पितृ पक्ष में कुछ विशेष तरह की पूजन सामग्री का महत्व है, इसमें तिल, जौ, कुशा, गेहूं, उड़द दाल, मूंग, धान, कांगुनी, मटर, कचनार, सरसो, हवन लकड़ी आम की, सुपाड़ी, घी, शहद, पान का पत्ता आदि सामग्री का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसी मान्यता है कि पूजा के पश्चात ब्राह्मणों को कपड़े, धोती, गमछा व अन्य वस्तुएं दक्षिणा के रूप में देने से वह सामग्री पितरों को प्राप्त होती है।

तर्पण, श्राद्ध क्यों है जरूरी- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार तर्पण, श्राद्ध करने से पितरों का ऋण चुकाया जाता है। धर्म ग्रंथों के मुताबिक पितरों का ऋण श्राद्ध द्वारा चुकाया जाता है। वर्ष के किसी भी मास तथा तिथि में स्वर्गवासी हुए पितरों के लिए पितृपक्ष की उसी तिथि को श्राद्ध किया जाता है। पितरों की संतुष्टि के उद्देश्य से श्रद्धापूर्वक किये जाने वाले तर्पण, ब्राह्मण भोजन, दान आदि कर्मों को श्राद्ध कहा जाता है। इसे पितृयज्ञ भी कहते हैं। श्राद्ध के द्वारा व्यक्ति पितृऋण से मुक्त होता है और पितरों को संतुष्ट करके स्वयं की मुक्ति के मार्ग पर बढ़ता है। मार्कंडेय पुराण के अनुसार श्राद्ध से संतुष्ट होकर पितर श्राद्धकर्ता को दीर्घायु, संतति, धन, विध्या, सभी प्रकार के सुख और मरणोपरांत स्वर्ग एवं मोक्ष प्रदान करते हैं।

2025 में श्राद्ध की तिथियां...

- पूर्णिमा का श्राद्ध 07 सितम्बर 2025, रविवार को हो गया है।
- प्रतिपदा श्राद्ध 08 सितम्बर 2025, सोमवार
- द्वितीया श्राद्ध– 09 सितम्बर 2025, मंगलवार
- तृतीया श्राद्ध– 10 सितम्बर 2025, बुधवार
- चतुर्थी श्राद्ध– 10 सितम्बर 2025, बुधवार
- पञ्चमी श्राद्ध– 11 सितम्बर 2025, बृहस्पतिवार
- महा भरणी– 11 सितम्बर 2025, बृहस्पतिवार
- षष्ठी श्राद्ध– 12 सितम्बर 2025, शुक्रवार
- सप्तमी श्राद्ध– 13 सितम्बर 2025, शनिवार
- अष्टमी श्राद्ध– 14 सितम्बर 2025, रविवार
- नवमी श्राद्ध– 15 सितम्बर 2025, सोमवार
- दशमी श्राद्ध– 16 सितम्बर 2025, मंगलवार
- एकादशी श्राद्ध– 17 सितम्बर 2025, बुधवार
- द्वादशी श्राद्ध– 18 सितम्बर 2025, बृहस्पतिवार
- त्रयोदशी श्राद्ध– 19 सितम्बर 2025, शुक्रवार
- मघा श्राद्ध 19– सितम्बर 2025, शुक्रवार
- चतुर्दशी श्राद्ध– 20 सितम्बर 2025, शनिवार
- सर्वपितृ अमावस्या– 21 सितम्बर 2025, रविवार

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

ताबड़तोड़ फायरिंग कर पत्नी के सामने ही पति को उतारा मौत के घाट, दो लाख लूटकर फरार

झांसी. यूपी में झांसी के सीपरी बाजार थाना क्षेत्र में सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया गया है। सोमवार दोपहर पत्नी के साथ जा रहे युवक को गांव भोजला के पास दिनदहाड़े बाइक सवारों ने गोली मारकर हत्या कर दी। इस दौरान विरोध करने पर पत्नी को भी तमाचे जड़े। इससे पहले कि आसपास के लोग जुटते हत्यारे तमंचा लहराते हुए फरार हो गए। पत्नी ने दो लाख रुपए लूटकर भागने का भी आरोप लगाया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए कब्जे में लिया है। सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के रहने वाले अरविंद यादव (40) सोमवार दोपहर करीब दो बजे के अपनी पत्नी संगीता के साथ कहीं जा रहे थे। जैसे ही वह गांव भोजला के पास भीड़-भाड़ वाले इलाके में पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे बाइक सवारों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

राष्ट्रीय बजरंग दल के जिलाध्यक्ष ने दिव्यांग संग किया कुकर्म के प्रयास, पुलिस ने जेल भेजा

बहराइच. यूपी के बहराइच में राष्ट्रीय बजरंग दल के जिलाध्यक्ष हेमंत कुमार वर्मा पर दिव्यांग के साथ कुकर्म करने का आरोप लगा है। पीड़ित की मां ने अपने दिव्यांग बेटे के साथ अप्राकृतिक यौन सम्बंध बनाने के प्रयास की तहरीर थाने में दी। मोतीपुर थाने के एक गांव निवासी महिला ने आरोप लगाया है कि उसका 22 वर्षीय बेटा दिव्यांग है। जो 29 अगस्त की रात अपने घर के आगे चारपाई पर सोया हुआ था। उसी रात लगभग 3:30 बजे राष्ट्रीय बजरंग दल के जिलाध्यक्ष हेमंत वर्मा ने उसके चलने फिरने से असमर्थ दिव्यांग बेटे के साथ कुकर्म का प्रयास किया। विरोध करने पर उसकी जम कर बेरहमी से धुनाई कर डाली।

शराब नहीं देने पर गुस्साया होमगार्ड, पेट्रोल छिड़ककर दुकान में लगा दी आग

मेरठ. मेरठ में एक होमगार्ड ने गजब कारस्तानी को अंजाम दिया है। हाइवे पर थाना दौराला के सामने अंग्रेजी शराब की दुकान पर सेल्समैन ने शराब देने से इनकार किया तो हंगामा मचा दिया। लोगों के समझाने पर कुछ देर बाद चला तो गया लेकिन देर रात जब दुकान बंद हो गई तो दोबारा आया। इस बार बोतल में पेट्रोल लेकर पहुंचा था। पेट्रोल को दुकान पर छिड़कने के बाद आग लगा दी। पूरी घटना सीसीटीवी में भी कैद हो गई है। पास ही स्थित देशी शराब की दुकान के सेल्समैन और अन्य लोगों ने तत्काल आग पर काबू पाया और बड़ा हादसा टल गया। दुकान संचालक ने होमगार्ड के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस तहरीर और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच में जुटी है।

पिता से मिलने के बहाने दरवाजा खुलवाया, नाबालिग बेटी के मुंह में कपड़ा ठूंसकर किया रेप

बस्ती. यूपी के बस्ती जिले के परसरामपुर थानाक्षेत्र के एक गांव में घर में घुसकर किशोरी के साथ दुष्कर्म की वारदात सामने आई है। आरोप है कि पिता से मिलने के बहाने गांव के रहने वाले आरोपी ने दरवाजा खुलवाया और इसके बाद लड़की के मुंह में कपड़ा ठूसकर उसके साथ दुष्कर्म किया। थानाध्यक्ष भानुप्रताप सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी सलमान के खिलाफ रेप समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उसकी धरपकड़ का प्रयास किया जा रहा है। पीड़िता का मेडिकल कराने के साथ ही अग्रिम कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इसी थानाक्षेत्र की रहने वाली 14 वर्षीय पीड़िता के पिता ने तहरीर देकर बताया है कि पिछले 30 अगस्त की रात करीब ढाई बजे गांव का विपक्षी घर पर आया और दरवाजा खटखटाया। अगले हिस्से में सो रही बेटी जगी और वह दरवाजे पर गई। उसने पूछा कौन हो तो गांव के रहने वाले आरोपी ने अपना नाम बताया। काम पूछने पर बोला कि तुम्हारे अब्बा से जरूरी काम है, दरवाजा खोल दो। उसकी बात में आकर बेटी ने दरवाजा खोल दिया। आरोप है कि घर के अंदर घुसते ही उसने बेटी को पकड़ लिया और वह शोर मचाती, इसके पहले ही मुंह में कपड़ा ठूस कर उसे चुप करा दिया। इसके बाद उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बारे में किसी को कुछ बताने पर उसे व उसके पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी।

नेपाल की संसद में घुसे प्रदर्शनकारी

पुलिस फायरिंग में 9 की मौत और 80 घायल, लगा कर्फ्यू

काठमांडू. नेपाल की राजधानी काठमांडू में सोमवार को युवा प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। कुछ प्रदर्शनकारी संसद परिसर में घुस गए, जिन्हें हटाने के लिए सुरक्षा बलों को हवाई फायरिंग करनी पड़ी। गोली लगने 9 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। सिविल अस्पताल के कार्यकारी निदेशक मोहन चंद्र रेग्मी ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि अब तक 9 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। इसके अलावा दर्जनों लोग घायल हैं। इनमें से कई की हालत गंभीर बनी हुई है।

काठमांडू जिला प्रशासन कार्यालय ने प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पों के बाद कर्फ्यू लगा दिया है। यह कर्फ्यू पहले बनेश्वर के कुछ हिस्सों में लगाया गया था, जब प्रदर्शनकारी प्रतिबंधित क्षेत्र में घुस गए थे। लेकिन, अब इसे कई क्षेत्रों में लागू कर दिया गया है। इसमें राष्ट्रपति का निवास, शीतल निवास क्षेत्र, महाराजगंज, लैंचौर में उपराष्ट्रपति का निवास, सिंह दरबार के इलाके, प्रधानमंत्री का निवास और आसपास के क्षेत्र शामिल हैं। अधिकारियों ने कहा कि इसका मकसद संवेदनशील सरकारी स्थानों पर आगे की अशांति को रोकना और सुरक्षा सुनिश्चित करना है। मुख्य जिला अधिकारी छबिलाल रिजाल की ओर से लागू यह कर्फ्यू दोपहर 12:30 बजे से रात 10 बजे तक प्रभावी है। इन क्षेत्रों के भीतर आवाजाही, सभाएं, प्रदर्शन या घेराव सख्त वर्जित है।

■ जेन-Z का विरोध प्रदर्शन

राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए 'जनरेशन जेड' के इन प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रगान गाकर अपना विरोध शुरू किया और फिर सोशल मीडिया पर प्रतिबंध व भ्रष्टाचार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। 24 साल के छात्र युजन राजभंडारी ने कहा, 'हम सोशल मीडिया बैन से तुरंत आगबबूला हो गए, लेकिन यही एकमात्र वजह नहीं है। हम नेपाल में व्याप्त संस्थागत भ्रष्टाचार के खिलाफ भी आवाज उठा रहे हैं।' वहीं, 20 साल की एक अन्य छात्रा इक्षमा तुमरोक ने सरकार के सत्तावादी रवैये के खिलाफ प्रदर्शन करने की बात कही।

किस बात पर भड़के हैं युवा

प्रदर्शनकारी युवाओं का मकसद सरकार की ओर से लगाए गए सोशल मीडिया बैन को हटाना है। साथ ही, वे देश में फैले भ्रष्टाचार को खत्म करने की मांग कर रहे हैं। नेपाल की सरकार ने पिछले शुक्रवार से फेसबुक, यूट्यूब और एक्स जैसे 26 बिना रजिस्टर्ड प्लेटफॉर्म्स पर रोक लगा दी है, जिसके बाद से ही यूजर्स इन साइट्स तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। इस कदम से लोग हैरान और गुस्से में हैं। इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म के नेपाल में लाखों यूजर्स हैं जो मनोरंजन, खबरें और व्यापार के लिए इन पर निर्भर हैं।

मुख्यमंत्री गुप्ता पति के साथ मीटिंग में पहुंचीं

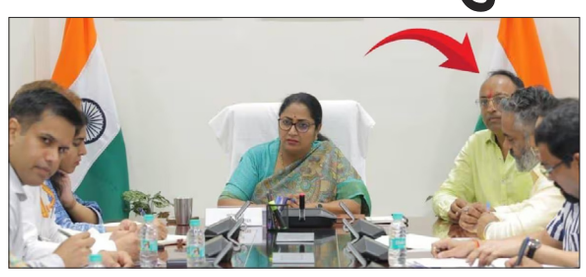

■ AAP बोली- दिल्ली में फुलेरा पंचायत की सरकार

नई दिल्ली. दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता रविवार को एक ऑफिशियल मीटिंग में अपने पति मनीष गुप्ता को लेकर पहुंचीं। CM ने X पर मीटिंग की तस्वीरें भी शेयर कीं, जिसमें उनके पति अधिकारियों के साथ बैठे दिखे। मनीष गुप्ता एक बिजनेसमैन और सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

आम आदमी पार्टी ने इसको लेकर मुख्यमंत्री पर तंज कसा है। AAP ने X पर मीटिंग की तस्वीर के साथ 'पंचायत' वेब सीरीज के एक सीन का वीडियो शेयर करते हुए लिखा- दिल्ली में 'फुलेरा की पंचायत' की सरकार। CM रेखा गुप्ता के पति ले रहे अधिकारियों की मीटिंग।

AAP नेता संजय सिंह ने कहा, 'फुलेरा पंचायत में आपका स्वागत है। प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में दो मुख्यमंत्री बनाए हैं। रेखा गुप्ता मुख्यमंत्री हैं, उनके पति सुपर मुख्यमंत्री हैं। भाजपा ने 6 महीने में दिल्ली का कबाड़ा कर दिया है।' कांग्रेस ने X पर पूछा कि सरकार कौन चला रहा है। मैडम रेखा गुप्ता या उनके पति? इससे पहले 12 अप्रैल को दिल्ली नगर निगम, जल बोर्ड, PWD और दिल्ली अर्बन सेंटर इम्प्रूवमेंट बोर्ड की मीटिंग में भी मनीष गुप्ता सीएम रेखा के साथ नजर आए थे।

मेहुल चोकसी को ऑर्थर जेल में साफ टॉयलेट-पानी मिलेगा

■ केंद्र ने बेल्जियम को 14 सुविधाओं की लिस्ट सौंपी;

■ 13000 करोड़ फ्रॉड का आरोपी

नई दिल्ली. पंजाब नेशनल बैंक के 13,850 करोड़ के फ्रॉड के आरोपी और भगोड़े बिजनेसमैन को बेल्जियम से भारत लाने की कोशिश जारी हैं। केंद्र ने बेल्जियम सरकार को एक लेटर में बताया कि चोकसी को मुंबई के आर्थर रोड जेल के बैरक नंबर-12 में रखा जाएगा। वहां एक कोठरी में 6 लोगों के रहने की क्षमता है।

लेटर में कहा गया कि अगर चोकसी को बेल्जियम से भारत लाए जाता है, तो उसके साथ मानवीय व्यवहार किया जाएगा। उसे 14 से ज्यादा सुविधाएं देने का भरोसा दिया गया है। हालांकि केंद्र ने चोकसी के प्रत्यर्पण के लिए यह पत्र कब लिखा, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

भारतीय जांच एजेंसियों के प्रत्यर्पण की अपील पर, चोकसी को 12 अप्रैल को बेल्जियम में गिरफ्तार किया गया था। वह और उसका भतीजा नीरव मोदी, PNB धोखाधड़ी मामले में मुख्य आरोपी हैं। भगोड़ा नीरव लंदन में है। उसके प्रत्यर्पण के लिए भी कोशिशें जारी हैं। दोनों ने 2018 में भारत छोड़ दिया था।

आधार पहचान का प्रमाण, नागरिकता का नहीं

■ SIR पर सुनवाई में चुनाव आयोग से कहा- इसे 12वां दस्तावेज माना जाए

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को बिहार में SIR (वोटर वेरिफिकेशन) के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा- आधार पहचान का प्रमाण पत्र है, नागरिकता का नहीं।

कोर्ट ने चुनाव आयोग को आदेश दिया कि वोटर की पहचान के लिए आधार को 12वें दस्तावेज के तौर पर माना जाए। बिहार SIR के लिए फिलहाल 11 निर्धारित दस्तावेज हैं, जिन्हें मतदाताओं को अपने फॉर्म के साथ जमा करना होता है।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने ये भी कहा कि

आधार कार्ड को लेकर अगर किसी तरह की शंका हो तो आयोग इसकी जांच कराए। कोई भी नहीं चाहता कि चुनाव आयोग अवैध प्रवासियों को मतदाता सूची में शामिल करे। केवल वास्तविक नागरिकों को ही वोट देने की अनुमति होगी। जो लोग फर्जी दस्तावेजों के आधार पर दावा कर रहे हैं, उन्हें मतदाता सूची से बाहर रखा जाएगा।

आधार मानने वाले BLO को आयोग नोटिस भेज रहा

सुनवाई शुरू होने पर कोर्ट में कांग्रेस लीडर और सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कहा- 10 जुलाई को कोर्ट ने चुनाव आयोग को आधार कार्ड स्वीकार करने को कहा।

अभी भी 65 लाख लोगों के लिए भी आधार स्वीकार नहीं किए जा रहे हैं। बीएलओ को निर्देश दिया गया था कि 11 दस्तावेजों में से एक आवश्यक है।

चुनाव आयोग 11 के बाहर के दस्तावेज स्वीकार करने वाले अधिकारियों को दंडित कर रहा है। आधार स्वीकार करने वाले अधिकारियों को चुनाव आयोग ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

इस पर कोर्ट ने नोटिस पेश करने को कहा। जिस पर चुनाव आयोग का पक्ष रख रहे वकील राकेश द्विवेदी ने कहा- ये हमारे पास नहीं है।

जिसके जवाब में कपिल सिब्बल ने कहा- ये आपके दस्तावेज हैं, इस पर निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी का साइन है। अब इस मामले में अगले सोमवार यानी 15 सितंबर को सुनवाई होगी।

यरुशलम में आतंकी हमला, 5 की मौत

■ पुलिस ने 2 हमलावरों को मार गिराया

यरुशलम. यरुशलम में सोमवार को गोलीबारी में 5 लोगों की मौत हो गई और 15 घायल हैं। पुलिस और इजरायल की मेडिकल सर्विस के मेगन डेविड एडोम ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घायलों में छह की हालत गंभीर है। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी शुरू होने के तुरंत बाद दो हमलावरों को ढेर कर दिया गया। गोलीबारी यरुशलम के उत्तरी प्रवेश द्वार पर प्रमुख चौराहे पर हुई, जो पूर्वी

यरुशलम में स्थित यहूदी बस्तियों की ओर जाने वाली सड़क है।

सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, यरुशलम के रामोट जंक्शन पर गोलीबारी करने वाले आतंकवादी पश्चिमी तट के फिलिस्तीनी हैं। माना जा रहा है कि ये दोनों आतंकी रामल्लाह क्षेत्र के गांवों से निकले थे। इजरायली सुरक्षा अधिकारी अभी भी उनकी पहचान की जांच कर रहे हैं। हमले के सीसीटीवी फुटेज में देखा जा है कि सुबह में दर्जनों लोग बस स्टॉप से भाग रहे थे। गोलीबारी के चलते इलाका पूरी तरह अव्यवस्थित हो गया और कांच के टुकड़े बिखड़ गए। लोग घायल होकर सड़क और फुटपाथ पर बेहोश पड़े थे।

हमास ने इस हमले का स्वागत किया है। हालांकि, उसने इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है। उसने इसे हमारे लोगों के खिलाफ कब्जे के अपराधों का स्वाभाविक जवाब बताया है।

जम्मू के कुलगाम में सेना की आतंकियों से मुठभेड़

■ 2 आतंकी मारे गए

■ एक आतंकी पहलगाम हमले के बाद जारी लिस्ट में था; 2 जवान घायल

कुलगाम. सेना ने कश्मीर के कुलगाम में मुठभेड़ के दौरान 2 आतंकियों को मार गिराया है। सोमवार सुबह गुड्डर के जंगलों में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई। सेना ने इसे ऑपरेशन गुड्डर नाम दिया है। इस दौरान एक JCO समेत 2 जवान घायल हुए हैं।

मारे गए एक आतंकी की पहचान शोपियां के रहने वाले आमिर अहमद डार के रूप में हुई है। वह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था और सितंबर 2023 से एक्टिव था। पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों की तरफ से जारी 14 आतंकवादियों की लिस्ट में यह भी शामिल था।

पुलिस, सेना की 9RR और CRPF की एक जॉइंट टीम ने आतंकवादियों की मौजूदगी की

सूचना मिलने के बाद इलाके में सर्चिंग शुरू की थी।

जानकारी के मुताबिक जंगल में लश्कर के 3 से ज्यादा आतंकी छिपे हैं। दोनों ओर से गोलीबारी जारी है और अतिरिक्त सुरक्षा बल इलाके में भेजे गए हैं।

तलाशी लेने गई टीम पर आतंकियों ने की गोलीबारी

आतंकियों के छिपे होने की खबर मिलने के बाद टीम गुड्डर के जंगलों में संदिग्ध जगह पहुंची। जहां छिपे हुए आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद जवानों ने जवाबी फायरिंग की।

आरएस पुरा बॉर्डर के पास घुसपैठिया गिरफ्तार

इसके अलावा जम्मू के आरएस पुरा सेक्टर में इंटरनेशनल बॉर्डर से एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को गिरफ्तार किया गया है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सरगोधा का रहने वाला सिराज खान नाम के घुसपैठिए को रविवार रात 9.20 बजे ऑक्ट्रोई चौकी पर तैनात BSF जवानों ने देखा। कुछ राउंड फायरिंग के बाद उसे बॉर्डर फेंसिंग के पास गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से कुछ पाकिस्तानी करेंसी भी मिली है। घुसपैठ करने की उसकी कोशिश के पीछे के मकसद का पता लगाने के लिए उससे पूछताछ की जा रही है।

भारत का एशिया कप फाइनल में डबल धमाका

■ चैंपियन बनने के साथ कटाया वर्ल्ड कप का टिकट

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर एशिया कप का खिताब जीता। भारत ने चौथी बार एशिया कप ट्रॉफी जीती है। महाद्वीपीय टूर्नामेंट जीतने के साथ ही भारतीय टीम ने अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड द्वारा संयुक्त मेजबानी में आयोजित होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। राजगीर में खेले गए फाइनल में भारत की ओर से सुखजीत, दिलप्रीत और अमित ने गोल किए।

मैच की शुरुआती पहले मिनट में सुखजीत सिंह ने गोलकर भारत की बढ़त 1-0 दिला दी। आठवें मिनट में भारत के पास पेनाल्टी स्ट्रोक का अवसर मिला लेकिन जुगराज सिंह गोल से चूक गए। दूसरे क्वार्टर में दिलप्रीत सिंह ने 27वें मिनट में गोल दागा कर स्कोर 2-0 कर दिया। तीसरे क्वार्टर में कोरिया टीम को लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन वह उन्हें भुना में विफल रही। इसके बाद 44वें मिनट में भारत की ओर से दिलप्रीत ने शानदार गोलकर स्कोर 3-0 कर दिया। खेल के 49वें मिनट में अमित रोहिदास ने गोलकर भारत की बढ़त 4-0 कर दी। दक्षिण कोरिया वापसी का प्रयास किया और 50वें मिनट में डैन सन ने गोल कर स्कोर 4-1 कर दिया। भारत ने चौथी बार एशिया कप खिताब जीता है और इसके साथ ही वह पांच बार की चैम्पियन कोरिया के बाद टूर्नामेंट की दूसरी सबसे सफल टीम बन गई। भारत ने इससे पहले 2003 (कुआलालंपुर), 2007 (चेन्नई) और आखिरी बार 2017 (ढाका) में एशिया कप जीता था। दक्षिण कोरिया ने 1994, 1999, 2009, 2013 और 2022 में खिताब जीता है।

इसके साथ ही भारत ने अगले विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया जो 14 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड में होना है। भारत ने अब तक सिर्फ एक बार 1975 में कुआलालंपुर विश्व कप जीता है।

लाल सागर में ऑप्टिक केबल्स कटने से इंटरनेट में दिक्कत

■ भारत सहित कई देश प्रभावित

नई दिल्ली. लाल सागर से बड़ी खबर सामने आई है। समुद्र के नीचे बिछी ऑप्टिक केबल्स क्षतिग्रस्त हो गई हैं, जिसके कारण वैश्विक स्तर पर इंटरनेट की गति धीमी हो गई है। इससे यूजर्स को देरी और धीमी गति का सामना करना पड़ रहा है। माइक्रोसॉफ्ट के Azure पर भी इसका व्यापक प्रभाव पड़ा है। लाल सागर में बिछी ये केबल्स यूरोप और एशिया के बीच इंटरनेट कनेक्टिविटी के लिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वैश्विक इंटरनेट ट्रैफिक का 17% हिस्सा इन्हीं केबल्स से होकर गुजरता है। क्षतिग्रस्त केबल्स में SEACOM/TGN-EA, AAE-1 और EIG जैसे प्रमुख सिस्टम शामिल हैं, जिससे महाद्वीपों के बीच डेटा ट्रांसफर बाधित हुआ है।

■ माइक्रोसॉफ्ट के Azure पर प्रभाव

रिपोर्ट्स के अनुसार, केबल्स के क्षतिग्रस्त होने से माइक्रोसॉफ्ट के Azure पर बड़ा असर पड़ा है। कंपनी ने बताया कि Azure उपयोगकर्ताओं, खासकर एशिया और यूरोप के बीच डेटा ट्रैफिक में समस्याएं आ सकती हैं। इन केबल्स को ठीक करने में समय लग सकता है, और फिलहाल डेटा को वैकल्पिक मार्गों से भेजकर काम चलाया जा रहा है। यूजर्स पर प्रभाव को कम करने के लिए कंपनी लगातार प्रयास कर रही है।

■ केबल्स के क्षतिग्रस्त होने का कारण

केबल्स के टूटने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है। लाल सागर में पहले हुई घटनाओं में अक्सर कॉमर्सियल वेसल्स को इसका कारण माना गया है, लेकिन

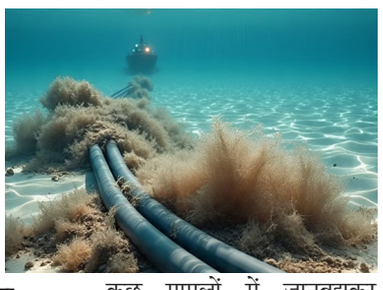

कुछ मामलों में जानबूझकर तोड़फोड़ की आशंका भी जताई जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण डिजिटल ढांचे को जानबूझकर निशाना बनाया जा सकता है ताकि वैश्विक कनेक्टिविटी प्रभावित हो। इसके अलावा, आशंका है कि यमन के हूती विद्रोही लाल सागर में इंटरनेट केबल्स को नुकसान पहुंचा सकते हैं। माना जा रहा है कि यह कदम गाजा युद्ध को समाप्त करने के लिए इजरायल पर दबाव बनाने के लिए हो सकता है।

■ इंटरनेट कनेक्टिविटी पर प्रभाव

इंटरनेट एक्सेस पर नजर रखने वाली कंपनी नेटब्लॉक्स ने बताया कि लाल सागर में केबल्स की कई रुकावटों ने भारत और पाकिस्तान सहित कई देशों में इंटरनेट कनेक्टिविटी को प्रभावित किया है। इसने सऊदी अरब के जेद्दा के पास SMW4 और IMEWE केबल सिस्टम में खराबी को जिम्मेदार ठहराया है।

■ केबल्स का संचालन

दक्षिण पूर्व एशिया-मध्य पूर्व-पश्चिमी यूरोप 4 (SMW4) केबल का संचालन टाटा कम्युनिकेशंस द्वारा किया जाता है, जो एक भारतीय समूह का हिस्सा है। वहीं, भारत-मध्य पूर्व-पश्चिमी यूरोप (IMEWE) केबल का संचालन अल्काटेल-ल्यूसेंट की देखरेख में एक अन्य कंसोर्टियम द्वारा किया जाता है। हालांकि, अभी तक किसी कंपनी ने इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

भारत बनाएगा इजराइल जैसी स्पेशल फोर्स

■ ये दुश्मन के घर में भी घुसकर मारेगी

■ जॉइंट वॉर थ्योरी का ब्लूप्रिंट तैयार

नई दिल्ली. सैन्य बलों की एलीट कमांडो फोर्स का संयुक्त युद्ध सिद्धांत बनाया गया है। यह साझा दस्तावेज सेना की स्पेशल फोर्स, वायु सेना की गरुड़ कमांडो फोर्स और नौसेना के मार्कोस कमांडो के लिए बनाया गया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद हुई इस कवायद में तीनों सेनाओं की एलीट फोर्स की तैयारी का हर पहलू स्पष्ट किया गया है।

मसलन, अगर किसी देश या उसकी शह में पलने वाले आतंकी, भारत विरोधी कार्रवाई करते हैं तो

उनके खिलाफ क्या होगा? यही नहीं, युद्ध होने पर ये कमांडो क्या करेंगे और शांतिकाल में भूमिका क्या होगी, यह भी स्पष्ट किया गया है। इसका मकसद, दुश्मन के सामरिक महत्व के टारगेट्स को भीतर घुसकर वार करने की क्षमता विकसित करना है। साथ ही, दुश्मन के उन कीमती ठिकानों पर हमला बोलने की रणनीति बनी है, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था चरमरा जाए और उसका युद्ध छेड़ने का हौसला भी टूट जाए।

अमेरिका की डेल्टा फोर्स और नेवी सील्स, स्पेत्सनाज और इजराइल की सयरेट मतकाल दुनिया की सबसे खतरनाक स्पेशल फोर्सेज हैं। इनके ऑपरेशन दुश्मन के घर में घुसकर सटीक वार के लिए मशहूर हैं।

थल, जल और नभ में ताकत

थल सेना: 9 बटालियन पैरा स्पेशल फोर्स। सीमा पार सर्जिकल स्ट्राइक, बंधक मुक्ति में दक्ष।

नौसेना: मार्कोस मरीन कमांडो। समुद्री युद्ध, अंडरवॉटर सबोटेज और तटीय सुरक्षा में माहिर।

वायुसेना: गरुड़ का गठन 2004 में। एयरबेस सुरक्षा, एयरबॉर्न स्ट्राइक, दुश्मन के एयरफील्ड पर हमला और सर्च-एंड-रेस्क्यू में विशेषज्ञ। एयर वारफेयर के मास्टर।

पानी में डूबकर चार लोगों की मौत

लखीमपुर खीरी. लखीमपुर खीरी में अलग-अलग क्षेत्रों में हादसे हो गए। तालाब, नदी और बाढ़ के पानी में डूबने से चार लोगों की मौत हो गई। इनमें एक दस साल का बच्चा भी है। मैगलगंज और नीमगांव क्षेत्र में तालाब में डूबकर दो युवकों की मौत हो गई। वहीं ईसानगर क्षेत्र के कंचनपुरवा गांव का किशोर घाघरा नदी में डूब गया। निघासन के लोनियनपुरवा गांव का दस साल के बच्चे की बाढ़ के पानी में डूबने से मौत हो गई।

आम सूचना

मैं श्री शिवनाथ मोहनलाल प्रजापती सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, हनुमान नगर, हनुमान मंदिर के पीछे, एमआयडीसी पानी टंकी के पास, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 19बीओ016279900) उक्त प्रॉपर्टी श्री रामअवतार रामदेव विश्वकर्मा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 8.9.2025 सी.नं. 3005/2025 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-

श्री शिवनाथ मोहनलाल प्रजापती

संक्षेप...

बिल्डर के साथ 1.23 करोड़ की धोखाधड़ी

नवी मुंबई. खारघर में रहने वाले एक बिल्डर को सट्टेबाजी में भारी कमाई का लालच देकर ठगों ने 1 करोड़ 23 लाख 85 हजार रुपए का चूना लगाया. खारघर के सेक्टर 12 स्थित तुलसी सोसायटी में रहता है. अगस्त के महीने में एक महिला ने उससे से संपर्क किया और उसे सट्टेबाजी के लिए तैयार किया. महिला ने सट्टे से बड़ी रकम कमाने का वादा किया, जिसके बाद बिल्डर ने उसे उक्त रकम भेजी.

महाराष्ट्र को वैश्विक निवेश केंद्र बनाने का संकल्प -CM

मुंबई. सरकार ने महाराष्ट्र को वैश्विक निवेशकों के लिए सबसे आकर्षक 'गंतव्य' बनाने का संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों से प्राप्त सुझावों पर विचार करने के बाद विभिन्न क्षेत्रों के लिए नई नीतियाँ तैयार करेगी।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने वर्षा के आवास पर भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों से बातचीत की। इस अवसर पर उन्होंने महाराष्ट्र में तेज़ी से बदलते बुनियादी ढाँचे, निवेश के अवसरों और वैश्विक स्तर पर राज्य की प्रगति के बारे में बात की।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल 'राज्य' के रूप में नहीं, बल्कि एक 'संस्था' के रूप में एक व्यवस्था स्थापित करना है। इससे सरकार का कामकाज व्यक्तिवादी न होकर संस्थागत स्वरूप में होगा और सरकार के निर्णय और

गतिविधियाँ संस्थागत स्तर पर जड़ें जमाएँगी और स्थायी होंगी। महाराष्ट्र में 10 लाख करोड़ रुपये की बुनियादी ढाँचा परियोजनाएँ चल रही हैं। इसमें राजमार्ग, बंदरगाह, हवाई अड्डे, बिजली परियोजनाएँ, शहरी विकास और जल आपूर्ति शामिल हैं।

वाढवण बंदरगाह और समृद्धि राजमार्ग के साथ महाराष्ट्र वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में क्रांति लाने जा रहा है। वाढवण बंदरगाह देश के लिए एक बेहतरीन विकल्प होगा क्योंकि जेएनपीटी बंदरगाह की क्षमता समाप्त हो रही है। श्री फडणवीस ने कहा कि समृद्धि राजमार्ग के माध्यम से राज्य के 26 जिले इस बंदरगाह से जुड़ेंगे, जिससे रसद लागत में काफी कमी आएगी।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि वधान क्षेत्र में देश का पहला मल्टी-मॉडल हब स्थापित किया जाएगा। यहाँ बंदरगाह, हवाई अड्डा, बुलेट ट्रेन और राजमार्गों का एक पूरा नेटवर्क उपलब्ध होगा। इस क्षेत्र में चौथी मुंबई का निर्माण किया जा रहा है। वहीं, नवी मुंबई में यूनिवर्सिटी टाउनशिप, स्पोर्ट्स सिटी, मेडिसिटी और इनोवेशन सिटी विकसित की जा रही हैं।

मोटर दुर्घटना : महिला वकील को एक लाख का मुआवज़ा

कल्याण. सात साल पहले कल्याण में एक मोटर कार चालक ने दोपहिया वाहन पर सवार कल्याण की एक महिला के दोपहिया वाहन को पीछे से टक्कर मार दी थी। इस दुर्घटना में महिला वकील घायल हो गई थीं और दोपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गया था। इस मामले में, ठाणे स्थित मोटर दुर्घटना न्यायाधिकरण के सदस्य आर. वी. मोहिते ने दावेदार और प्रतिवादी की दलीलें सुनने के बाद, इस दुर्घटना में घायल हुई महिला वकील को एक लाख 9 हज़ार 516 रुपये का मुआवज़ा देने की घोषणा की है। न्यायाधिकरण ने स्पष्ट किया कि प्रतिवादी यह राशि दावा दायर करने की तिथि से नौ प्रतिशत ब्याज के साथ दावेदार वकील को अदा करें।

39 वर्षीय महिला वकील ने मोटर दुर्घटना अधिनियम की धारा 166 के तहत एक मोटर दुर्घटना मामले में ठाणे स्थित मोटर वाहन दुर्घटना न्यायाधिकरण में दस लाख रुपये के मुआवज़े का दावा

दायर किया था। सभी पक्षों को सुनने के बाद, अदालत ने प्रतिवादी मोटर कार मालिक और वाहन की बीमा कंपनी को महिला वकील को ब्याज सहित एक लाख नौ हज़ार 516 रुपये का मुआवज़ा देने का निर्देश दिया।

10 नवंबर, 2018 को एक महिला वकील कल्याण से अपनी दोपहिया वाहन से जा रही थीं। उसी समय, उनके पीछे तेज़ गति और लापरवाही से मोटर कार चला रहे एक चालक ने उनकी दोपहिया वाहन को पीछे से टक्कर मार दी। इस टक्कर में महिला वकील दोपहिया वाहन से गिरकर घायल हो गईं। दोपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना के संबंध में महिला वकील की शिकायत पर स्थानीय पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई।

इस दुर्घटना में, महिला वकील ने मोटर वाहन दुर्घटना न्यायाधिकरण में मुआवज़े के लिए दावा दायर किया था। अदालत ने पाया कि यह दुर्घटना मोटर कार चालक की लापरवाही के कारण हुई थी। दुर्घटना के समय चालक के पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था। पुलिस ने मामले की जाँच की और कार चालक के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दायर किया।

दिवा में 5 अवैध निर्माण कार्य पर कार्रवाई

ठाणे. मनपा ने सोमवार को दिवा वार्ड समिति क्षेत्र में अवैध रूप से बन रही पाँच इमारतों पर कार्रवाई की। इन अर्ध-आबाद, व्यावसायिक और आवासीय इमारतों को खाली कराकर पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया है। उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार, दिवा प्रभाग समिति क्षेत्र में कुल 5 इमारतों बी.आर. नगर में दो इमारतें, सद्गुरु नगर में 2 इमारतें और दिवा-शील रोड पर 1 इमारत के विरुद्ध पोकलेन मशीन की सहायता से कार्रवाई की गई।यह सभी पाँच इमारतें भूतल और एक मंजिल की थीं।मनपा आयुक्त सौरभ राव ने

पहले ही स्पष्ट कर दिया था मनपा ने अनधिकृत निर्माणों के विरुद्ध कार्रवाई फिर से शुरू कर दी है। आवासीय और व्यावसायिक प्रकृति के अनधिकृत निर्माणों के विरुद्ध कार्रवाई नियमित रूप से जारी रहेगी।सोमवार को दिवा प्रभाग समिति क्षेत्र में की गई कार्रवाई के दौरान उपायुक्त मनीष जोशी, उपायुक्त शंकर पटोले, उपायुक्त सचिन सांगले, सहायक आयुक्त शिवप्रसाद नागरगोजे, सहायक आयुक्त गणेश चौधरी, सहायक आयुक्त ललिता जाधव, सहायक आयुक्त बालू पिचड़ मौजूद थे। यह कार्रवाई अतिक्रमण विभाग और वार्ड समिति के कर्मचारियों द्वारा की गई।

पहले कटा सिर मिला, फिर शरीर के 17 टुकड़े

भिवंडी. भिवंडी से दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है. ताहा नाम के शख्स पर आरोप है कि उसने अपनी पत्नी परवीन उर्फ मुस्कान मोहम्मद ताहा अंसारी की बेरहमी से हत्या कर दी. पुलिस का कहना है कि हत्या के बाद आरोपी ने पत्नी के शव के 17 टुकड़े किए और उन्हें अलग-अलग जगह फेंक दिया.

30 अगस्त को इदगाह रोड के पास स्थित स्लॉटरहाउस इलाके से एक महिला का कटा हुआ सिर बरामद हुआ था. जांच शुरू हुई तो

पुलिस को शक की सुई ताहा पर गई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया. पूछताछ में ताहा लगातार अपने बयान बदल रहा है, इसलिए हत्या का सही कारण अभी साफ नहीं हो पाया है. पुलिस का कहना है कि मुस्कान के शरीर के बाकी टुकड़े ढूंढने के लिए ड्रोन और फायर ब्रिगेड की मदद ली जा रही है. अब तक सबूत जुटाने की कोशिशें जारी हैं.

कैसे सामने आया मामला?

पूरा मामला तब खुला जब मुस्कान की मां हनीफा खान ने पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई. उनका कहना था कि बेटी का फोन दो दिन से बंद था और दामाद ताहा भी कॉल नहीं उठा रहा था. बाद में जब पुलिस ने बरामद सिर की तस्वीर दिखाई, तो हनीफा ने उसकी पहचान अपनी बेटी के रूप में की.

17 टुकड़ों में कैसे काटा शव?

भिवंडी की भोईवाड़ा पुलिस थाने के सीनियर इंस्पेक्टर अशोक रतनपारखी ने बताया कि अभी तक यह साफ नहीं है कि हत्या कहां हुई और शव को काटने के लिए कौन सा हथियार इस्तेमाल किया गया. जांच में तेजी लाने के लिए डीसीपी और एसीपी की देखरेख में दो स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीमें बनाई गई हैं.

बुलेट ट्रेन का काम तेजी पर

ठाणे. तीनों एलिवेटेड स्टेशन ठाणे, विरार और बोईसर, पर काम तेज़ी से चल रहा है। विरार और बोईसर स्टेशनों के लिए पहला स्लैब कास्ट किया जा चुका है।

पूरे मार्ग के साथ कई स्थानों पर पियर्स की नींव और पियर्स का काम प्रगति पर है। अब तक लगभग 48 किलोमीटर पियर्स की ढलाई की जा चुके हैं।पालघर जिले के दहानु क्षेत्र में फुल स्पैन बॉक्स गर्डर लॉन्चिंग के माध्यम से पुल निर्माण कार्य शुरू हो गया है। पालघर जिले में 7 पर्वतीय सुरंगों की खुदाई का कार्य प्रगति पर है। अब तक 6 किलोमीटर में से कुल 2.1 किलोमीटर सुरंग का काम पूरा हो चुका है

वैतरणा, उल्हास और जगानी नदी पर पुलों का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है।बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थित मुंबई बुलेट ट्रेन भूमिगत

स्टेशन और महाराष्ट्र राज्य के शिलफाटा के बीच 21 किलोमीटर लंबी भारत की पहली भूमिगत/समुद्री सुरंग का निर्माण कार्य चल रहा है। 21 किलोमीटर सुरंग निर्माण कार्य में से 16 किलोमीटर सुरंग बोरिंग मशीनों के माध्यम से तथा शेष 5 किलोमीटर एनएटीएम के माध्यम से किया जा रहा है। इसमें ठाणे क्रीक पर 7 किलोमीटर की समुद्र के नीचे सुरंग भी शामिल है।लगभग 4.65 किलोमीटर सुरंग हेडिंग को शिलफाटा तथा एडीआईटी पोर्टल से दो समानांतर फेस द्वारा न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड (NATM) के माध्यम से पूरा किया जा चुका है।विक्रोली (56 मीटर की गहराई पर) और सावली शाफ्ट (39 मीटर की गहराई पर) दोनों पर बेस स्लैब की ढलाई पूरी हो चुकी है।शाफ़्ट स्थानों पर स्लज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया जा रहा है और महापे टनल लाइनिंग कास्टिंग यार्ड में टनल लाइनिंग सेगमेंट का निर्माण किया जा रहा है।बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थित निर्माणाधीन मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन पर 83% खुदाई का काम पूरा हो चुका है। स्टेशन स्थल के दोनों छोर पर ज़मीन से 100 फीट नीचे बेस स्लैब की ढलाई का काम शुरू हो चुका है।

80 वर्षीय व्यक्ति ने पत्नी का गला रेत दिया

वसई. वसई में एक 80 वर्षीय व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी पत्नी का गला रेत दिया और फिर उसी हथियार से खुद की जान लेने की कोशिश की, पुलिस ने रविवार को कहा। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि पति और पत्नी दोनों कई वर्षों से लंबी बीमारियों से पीड़ित थे। वे अपने बेटे और बहू के साथ रहते थे।

घटना की रात, जब बेटा और बहू बाहर निकले, तो बुजुर्ग दंपति ने अपनी जान देने का फैसला किया, क्योंकि उन्हें लगा कि उनकी बीमारियों से उनके परिवार को परेशानी हो रही है, जैसा कि रिपोर्ट किया गया है।

पति ने अपनी पत्नी का गला रेतकर उस पर हमला किया और फिर आत्महत्या का प्रयास किया। दोनों को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। पति बच गया और वर्तमान में उसका इलाज चल रहा है।

अवैध बैनरबाजी पर बढ़ा नागरिकों का आक्रोश

ठाणे. ठाणे में हर सप्ताह जन्मदिन, जयंती, अभिनंदन स्वागत के नाम पर जगह-जगह लगने वाले अवैध बैनरों से शहर का सौंदर्य विद्रूप हो गया है। करोड़ों रुपए खर्च कर महानगर पालिका ने चौक, रस्ते, डिवाइडर और वृक्षारोपण से शहर को सजाने का प्रयत्न किया, लेकिन अवैध बैनरों ने यह सारा सौंदर्य नष्ट कर दिया है। नागरिकों का आरोप है कि महापालिका केवल औपचारिक कार्रवाई करती है, जबकि कुछ ही घंटों में वहीं नए बैनर फिर टांग दिए जाते हैं।

खासकर बड़े राजनीतिक नेताओं के जन्मदिन पर आठ से पंद्रह दिन तक पूरा शहर बैनरों से ढक जाता है और प्रशासन मूकदर्शक बना रहता है। बता दें कि नागरिकों का कहना है कि करदाताओं के पैसे से किए गए सुशोभीकरण

की थट्टा उड़ाई जा रही है, ठाणे की छवि खराब हो रही है और महानगर पालिका जानबूझकर आंख मूंदे बैठी है। फ्लेक्स बैनरों से निकला कचरा नालियों को जाम करता है, जलाने पर जहरीला धुआं निकलता है और यह प्लास्टिक पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा साबित हो रहा है।

इसी पृष्ठभूमि में वरिष्ठ पत्रकार और पर्यावरण अभ्यासक डॉ. प्रशांत रेखा रविंद्र सिनकर ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि बेकायदेशीर बैनरबाजी पर कठोर नीति लागू की जाए, किसी भी राजनीतिक दबाव को दरकिनार कर बैनर लगाने वालों पर अपराध दर्ज कर दंडात्मक कार्रवाई हो, चौक-चौराहों पर विशेष पथक और निगरानी कैमरे लगाए जाएं तथा नागरिकों को शिकायत करने के लिए 24 घंटे की हेल्पलाइन और डिजिटल प्लेटफॉर्म शुरू किया जाए। ठाणेकरों का कहना है कि उनकी सहनशक्ति अब जवाब दे चुकी है और यदि सरकार ने सख्त कदम नहीं उठाए तो शहर की सुंदरता और पर्यावरण दोनों पर गंभीर संकट मंडराएगा।

श्री दुर्गा माता मंदिर में सुंदरकांड पाठ संपन्न

ठाणे. श्री दुर्गा माता सेवा संस्था की ओर से प्रत्येक शनिवार शाम को भव्य सुंदरकांड व भजन कीर्तन का आयोजन किया जाता है। सुंदर कांड व भजन गायक धर्मेन्द्र पाल, संजय तिवारी, और विजय सिंह ने संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ किए। सुंदरकांड पढ़ने से मानसिक शांति मिलती है, आत्मविश्वास और एकाग्रता बढ़ती है। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं, और घर-परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है। यह पाठ सभी प्रकार के भय को दूर करता है और जीवन में सफलता दिलाता है। जीवन को सफल बनाने के लिए सुंदरकांड का पाठ करना चाहिए।आए हुए सभी भक्तों ने कार्यक्रम को सफल बनाए और मंदिर से जुडी महिला भक्तों के सहयोग से यह कार्यक्रम सफल हुआ।मंदिर के संस्थापक अध्यक्ष अरविन्द तिवारी ने आए हुए सभी भक्तों के जीवन में सुख शान्ति की कामना की इसी के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

पावर कट कर रोकी गई अरिजीत की परफॉर्मेंस

- लंदन कॉन्सर्ट में मैनेजमेंट का स्ट्रिक्ट एक्शन
- गाना अधूरा छोड़ अचानक मंच से उतरना पड़ा

पॉपुलर सिंगर अरिजीत सिंह का हाल ही में लंदन में एक कॉन्सर्ट हुआ था। हालांकि ये कॉन्सर्ट बीच में ही खत्म कर दिया गया। रिपोर्ट्स की मानें तो मैनेजमेंट ने बीच कॉन्सर्ट में ही पावर कट कर दिया, जिसके बाद अरिजीत सिंह को परफॉर्मेंस पूरी किए बिना ही अचानक मंच से उतरना पड़ा। इसके ठीक बाद कॉन्सर्ट में जमा हुई भीड़ को भी बाहर कर दिया गया।

हाल ही में लंदन में हुए कॉन्सर्ट से एक वीडियो सामने आया है, जिसमें सिंगर ब्लॉकबस्टर फिल्म सैयारा का टाइटल ट्रैक गाते नजर आए हैं। भीड़ उनके गाने का लुत्फ उठा ही रही थी कि मैनेजमेंट ने अचानक मंच की बिजली बंद कर कॉन्सर्ट रोक दिया। अरिजीत सिंह फैंस को अलविदा भी नहीं कह सके और उन्हें बिना क्लोजिंग दिए स्टेज से उतरना पड़ा। वहीं वीडियो में कुछ लोगों का ये भी दावा है कि अरिजीत सिंह देरी से मंच पर पहुंचे थे, जिसके चलते उन्हें कॉन्सर्ट खत्म करने का समय नहीं मिला।

बिजली कट किए जाने के बाद अफरा-तफरी मच गई और भीड़ को वहां से अचानक निकलने को कह दिया गया। जहां कई लोग सैयारा गाने को बीच में रोके जाने पर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं, वहीं कुछ लोग UK के स्ट्रिक्ट नियमों का इस तरह पालन किए जाने पर मैनेजमेंट की तारीफ कर रहे हैं।

मुंबई-नाशिक राजमार्ग पर सड़क दुर्घटना

बाप- बेटी की दर्दनाक मौत

भिवंडी. मुंबई-नासिक राजमार्ग पर सड़क दुर्घटना में पिता और पुत्री की मृत्यु हो गई। भिवंडी तालुका के दोहले गांव में देवदर्शन से घर लौटते समय एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाईक सवार को पीछे से टक्कर मार दी। जिसमें सरलम्बे तालुका शाहपुर निवासी राजेश अधिकारी (39) और वेदिका अधिकारी (11) की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, राजेश अधिकारी अपनी बेटी वेदिका के साथ दोपहर में गणपति दर्शन के लिए दोपहिया वाहन पर भिवंडी तालुका के सापे गांव में रिश्तेदारों से मिलने आए थे।

दर्शन के बाद शाम को शाहपुर तालुका के सरलम्बे में अपने घर लौटते समय, तालुका के डोहले गांव में साईधाम लॉजिस्टिक्स के सामने शाहपुर की ओर जाते समय पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से पिता की असामयिक मौत हो गई। इस दुर्घटना की खबर मिलने के बाद गणेशोत्सव के दौरान शाहपुर तालुका के सरलम्बे गांव में मातम पसर गया है। इस दुर्घटना में स्थानीय लोगों की मदद से पडघा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए पडघा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भेज दिया है। पडघा पुलिस घटना की आगे की जांच कर रही है।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099